शिव आमंत्रण

RNI: RJHIN/ 2013/ 53539

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण

वर्ष: 5, अंक:7 | RNI: RJHIN/ 2013/ 53539 | हिन्दी (मासिक) - 2017, जुलाई सिरोही, पृष्ठ: 6, मूल्य : 7.50 रुपए

रायपुर: भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह को माउण्ट आबू का निमंत्रण देते हुए बीके कमला दीदी एवं सविता बहन।

रायगढ़: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि एवं बीके बहनें।

नकारात्मक विचार ही रोगों का मुख्य कारण ...पेज - 2

आजादी के लिए मर मिटने वालों का संकल्प करें साकार : प्रधानमंत्री मोदी ...पेज - 3

श्रेष्ठ ब्राह्मण माना स्वच्छ, जो स्वच्छ और शुद्ध है वही सच्चा सेवाधारी है ...पेज - 4

ब्रह्माकुमारीज द्वारा जगह-जगह पर नशामुक्ति कार्यक्रम ...पेज - 5

बच्चे ही हैं हमारे आने वाले कल की तकदीर ...पेज - 6

खाली जगह मिले, वहां पेड़ लगाएं : महेश गागड़ा ...पेज - 6

विले पार्ले से लेकर गोवा तक जीवन प्रबंधन की पाठशाला : जीवन प्रबन्धन का मंत्र सीखने उमड़ी बालिवुड की कई हस्तियां

कुंडली नहीं, संस्कार मिलाने से बनेंगे अच्छे रिश्ते :शिवानी

शिव आमंत्रण ■ विले पार्ले मुम्बई

भागदौड़ भरी जिन्दगी वाले शहर मुम्बई स्थित विले पार्ले ब्रह्माकुमारीज संस्था की ओर से भाईदास हॉल में जीवन प्रबन्धन पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जीवन प्रबन्धन विशेषज्ञ बीके शिवानी ने व्यावसायिक से लेकर व्यक्तिगत जीवन में शांति एवं विकास के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला तथा जीवन जीने की कला सीखायी। हजारों लोगों से खचाखच भरे भाईदास हॉल में करीब दो घंटे तक लोग जीवन के अनुभवों में डूब गये।

इस कार्यक्रम का दीप जलकार अतिथियों ने उद्घाटन किया। इसमें फिल्म जगत से लेकर सभी वर्गों की ख्यातनाम हस्तियां शरीक हुई। इस कार्यक्रम में व्याख्यान देते हुए बीके शिवानी ने कहा, कि संकल्प से सृष्टि बनती है, हर बात में श्रेष्ठ संकल्प डालते जाए तो जो भी खायेंगे, पियेंगे वह प्रसाद बनता जायेगा। हर विचार का हमारे उपर असर पड़ता है। किसी ने आपकी जन्मपत्री निकाल कर दी और आपके मन ने वह मान लिया माना आपने अपनी शक्ति उस भविष्य बताने वाले को दे दी।

कुंडली बताने से नहीं बल्कि संस्कार मिलाने से अच्छे सम्बन्ध का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि जन्मपत्री भी अच्छे कर्मों से हम बदल सकते है। जिसने अपने संस्कार चेंज किए है उस आत्मा के लिए वह जन्मपत्री वालिड नहीं है। आज तो कुंडलिया मिलाकर ही शादियां की जा रही है तो फिर डिवोर्स रेट बढ़ क्यों रहा है? अपने विचार श्रेष्ठ रखेंगे तो मन शक्तिशाली होता जायेगा और जैसा सोचेंगे वैसा होता जायेगा।

ये भी रहे उपस्थित

कार्यक्रम में विले पार्ले की सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके योगिनी, मीरा सोसायटी की प्रभारी बीके मीरा, फिल्म अभिनेता सुरेश ओबेराय, डॉ. अशोक मेहता, विवेक ओबेराय की धर्मपत्नी प्रियंका राय समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

जीवन प्रबंधन पर व्याख्यान कार्यक्रम का उद्घाटन करतीं बीके शिवानी के साथ फिल्मी जगत की हस्तियां तथा इस अवसर पर मौजूद देश-विदेश से जुटे प्रतिनिधि।

सिने सितारों ने सीखे जीवन प्रबंधन के गुर

संकल्प से बदलती है दुनिया

ब्रह्माकुमारीज की टीचिंग्स सदा हमारे साथ रहती है। क्योंकि मैं मानती हूं कि जब हम अपने मन को, थॉटस् कों कंट्रोल करे तभी हम अपने आप को शांत मान सकते है। संकल्प से हमारी दुनिया बदलती है। जो हम बाहर ढूंढ़ते है वह हमारे अन्दर मिलता है। जिनको चाहिए वे लोग ब्रह्माकुमारीज संस्थान में जाकर योग सीखें।

- **पूनम ढिल्लन,** फिल्म अभिनेत्री, मुम्बई

जैसा अन्न वैसा होता है मन

वह जो हम खा रहे है मेरे हिसाब से सिर्फ 20 प्रतिशत है। जो 80 प्रतिशत हम कंज्युम कर रहे है, अगर उस पर भी उतना ख्याल करना शुरू कर देंगे तो जो वो डाइट की बात करते है, मतलब वजन कम करने की बात करते है उसकी जरूरत नहीं पड़ेगी।

- **संजीव कपूर,** फिल्म अभिनेता तथा चेयरमैन, फूड फूड चैनल, मुम्बई

परमात्मा मिलन का सहज मार्ग

हर एक को सकारात्मक चीजों पर फोकस करना चाहिए। जो हमारे लिए हेल्दी है। हमारे आसपास बहुत कुछ नकारात्मक होता है लेकिन उसमें से हम कोई एक चीज ऐसी ढूंढ़ें जो बहुत पॉजिटीव है, जिससे सबको खुशी मिलती है। आगे बढ़ना बहुत जरूरी है लेकिन जीवन में वैल्यूज को खोकर नहीं। परमात्मा से मिलने का इससे दूसरा कोई मार्ग नहीं।

-**ग्रेसी सिंह,** फिल्म अभिनेत्री

जीवन की सच्चाई यही है

यहां इस कार्यक्रम में आकर और ज्ञान सुनने के बाद लगा कि जीवन की सच्चाई यही है। यदि मनुष्य के जीवन में सुख और शांति नहीं तो उनका जीवन बेकार है। इसलिए ब्रह्माकुमारीज का ज्ञान पूरे विश्व में नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। इससे लोगों की जिन्दगी बेहतरीन मार्ग की ओर बढ़ रही है।

-**धर्मेन्द्र ,** फिल्म अभिनेता

आत्मा की बैटरी चार्ज करें

हम मोबाईल की बैटरी चार्ज करते है परन्तु खुद की बैटरी चार्ज नहीं करते हैं। मंदिर में जाते है शांति के लिए परन्तु यहॉ आने से विचारधारा बदलती है। हमारी दुनिया में निगेटिविटी को ज्यादा महत्व देते है, लेकिन ऐसी जगह पर आने से रिचार्ज करते है चारो तरफ से पॉजिटिविटी मिलती है। निगेटिविटी को हटाकर अपने अंदर पॉजिटीविटी लाना है, मुस्कुराते रहना है, खुशी रखनी है यह यहां सीखने को मिलता है। यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि एक्शन और वर्डस दोनों का बहुत सुंदर मिलाप है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान का यह आयोजन जीवन में आंतरिक शांति व शक्ति के लिए उपयोगी होगा। पूरे विश्व को ब्रह्माकुमारीज संस्थान इस दुनिया को एक उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। चाहे हास्पिटल हो या कोई और समाज सेवा सबमें ब्रह्माकुमारीज बढ़-चढ़कर भूमिका निभा रही है।

- **विवेक ओबेरॉय,** फिल्म अभिनेता, मुम्बई

आत्म संतोष के लिए सीखे राजयोग

यहां आने के बाद बहुत सारी चीजें ऐसी मिलती है जो बाहर कहीं नहीं मिलती। कहते है, जिन ढूंढा तिन पाइया गहरे पानी पैठ। जब तक उस चीज को आप ढूंढेंगे नहीं तो वह आपको मिलेगी कैसे? जैसे धन कमाना होता है तो उसके लिए मेहनत करना पड़ता है। अगर आपको शांति चाहिए तो उसके लिए भी आप को बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। मेहनत सिर्फ इतनी है कि आप ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड जाए। आपको अपने आप जीवन दर्शन मिल जाएगा। आत्मा को अगर संतोष देना है तो जरूरी है यहां जाना।

- **समीर,** गीतकार, मुम्बई

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व तैयारियां

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के राजयोगी जगाएंगे जन-जन में योग की अलख

4 प्रदेशों के 13 जिलों में ब्रह्माकुमारीज और आयुष मंत्रालय के तत्वाधान में आयोजन

शिव आमंत्रण ■ आबूरोड

21 जून को मनाये जा रहे अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए भारत सरकार के आयुष मंत्रालय तथा ब्रह्माकुमारीज संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में वैसे तो देश विदेश में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। परन्तु कुछ प्रदेशों के जिलों में खास तौर पर भारत सरकार ने योग के साथ राजयोग सीखाने की जिम्मेदारी संस्थान को दी है जिसके तहत कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही ब्रह्माकुमारीज संस्थान पूरे जोर-शोर से योग के साथ राजयोग का प्रशिक्षण दे रहा है।

इन प्रदेशों की दी जिम्मेदारी : भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने ब्रह्माकुमारीज को अहम जिम्मेदारी देते हुए देश के पांच स्टेट में योग के साथ राजयोग की अलख जगाने की महत्वपूर्ण भूमिका दी है। जिसमें राजस्थान के चार जिले सिरोही, पाली, झालवाड़, नागौर है। इसके साथ ही गुजरात में पांच जिले में जिसमें गांधीनगर, सुरेन्द्रनगर, भरुच, बड़ोदरा और छोटा उदयपुर समेत पांच जिलों में योग और राजयोग की अलख जगायी जायेगी।

इसी क्रम में आसाम के नौगॉव छत्तीसगढ़ के दुर्ग और बस्तर में भी योग के साथ राजयोग के प्रति लोगों को जागरुक किया जायेगा। छत्तीसगढ़ का बस्तर जिला इसलिए भी अहम है क्योंकि यह पूरा का पूरा नक्सली क्षेत्र है जहॉ इसके प्रति रुझान से लोगों में सकारात्मक बदलाव आयेगा। संस्थान ने इसके लिए पूरी तैयारियां करते हुए कार्यक्रमों का अयोजन करना प्रारम्भ कर दिया है और यह 21 जून तक चलायें जायेंगे।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान और भारत सरकार का आयुष मंत्रालय का यह प्रयास लोगों में निश्चित तौर पर आन्तरिक रुप से सकारात्मक बदलाव में अहम भूमिका निभायेगा। जाहिर है दुनिया में आज योग का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। परन्तु जिस मकसद से योग किया जा रहा है उसका पूरा परिणाम तब आयेगा जब शरीर के साथ आत्मा और मन के विकास के लिए भी प्रयास किया जायें। राजयोग विशेषज्ञों का मानना है कि शरीर को ठीक रखने के लिए योग जरुरी है परन्तु यदि आत्मा और मन को ठीक रखना है तो उसके लिए अध्यात्म के साथ राजयोग सीखना अति आवश्यक है।

मूल्यों में तेजी से हो रही फिसलन को रोक सकती है ब्रह्माकुमारीज संस्थान : सिंह

मीडिया कॉन्फ्रेंस

मीडिया प्रतिनिधियों के आन्तरिक सशक्तिकरण और मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता पर चिंतन

शिव आमंत्रण ■ माउंट आबू

मीडिया के इतिहास में पहली बार है जब पत्रकारों के आन्तरिक सशक्तिकरण के लिए ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मीडिया प्रभाग द्वारा माउण्ट स्थित ज्ञान सरोवर एकेडेमी में तीन दिवसीय मीडिया सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में देश के कोने-कोने से प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया से जुड़े विशेष प्रतिनिधि शामिल हुए। निश्चित तौर पर यह सुखद लगा जब सभी मीडियाकर्मियों ने कहां पत्रकारिता में आने वाली चुनौतियों को आन्तरिक सशक्तिकरण के जरिये हल किया जाये।

तीन दिन तक चले इस सम्मेलन में राजयोग ध्यान का भी अभ्यास कराया गया। साथ ही जीवन प्रबन्धन, तनाव प्रबन्धन और जीवन जीने की कला पर भी व्याख्यान के जरिये मीडियाकर्मियों को तनावमुक्त करने का प्रयास किया गया। उदघाटन सत्र में संस्था प्रमुख राजयोगिनी दादी जानकी तो नहीं आ सकी परन्तु विडियो कान्फ्रेसिंग के जरिये सम्बोधित करते हुए कहा कि समय की मांग है कि ईश्वरीय ज्ञान का व्यापक प्रसार किया जाए। इससे ही जीवन आदर्शमयी बन सकेगा। परमात्मा से जितना अधिक लोगों का जुड़ाव होगा उतनी ही उन्हें शक्ति प्राप्त होगी। ज्ञान व राजयोग के बल पर विश्व को परिवर्तन करना संभव होगा।

टुकड़ों में बंट रहे समाज को रोके

दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार तथा ब्रॉडकास्ट एडिटर्स एसोसिएशन के महासचिव एन. के. सिंह ने कहा कि भारत की प्रत्येक संस्था में जब पतन हो रहा है तो मीडिया इससे कैसे अछूता रहता। दिक्कत यह है कि सूचना के अभाव के कारण मीडिया नैतिक दायित्व सही तरह से नहीं निभा पाता। मीडियाकर्मियों को सोचना होगा कि हमें परमात्मा ने नेताओं के कसीदे गढ़ने के लिए इस क्षेत्र में नहीं भेजा। दुर्भाग्य से भारत में गलत प्रतिमान बन रहे हैं। मूल्यों में तेजी से हो रही फिसलन को थामने का सामर्थ्य ब्रह्माकुमारी जैसी स्वयंसेवी संस्थाओं में है। हमें इनसे सहयोग करके टुकड़ों में बंट रहे समाज को सही दिशा देने की कठिन परीक्षा में खरा उतरना होगा।

संस्था के महासचिव बी. के. निर्वैर ने कहा कि तनाव भरे वातावरण में भले ही शांति का एहसास कठिन लगता है लेकिन मेडिटेशन का जीवन में समावेश करके सच्चा सुख प्राप्त किया जा सकता है। संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने अपने आशीर्वचन में मीडिया के कार्य को उत्तम बताते हुए सत्य को परखने और दूसरों के दुःख दूर करने में सहभागी बनने का आहवान किया। मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बी के करूण ने शारीरिक योगाभ्यास के साथ साथ राजयोग अपनाकर मूल्यनिष्ठ बनने का मार्ग प्रशस्त करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करतीं दादी रतन मोहिनी तथा इस अवसर पर मौजूद अतिथि।

मीडिया पर बढ़ रहा है दबाव

बीते दो तीन वर्षों में परोक्ष व अपरोक्ष रूप से मीडिया पर कई प्रकार का दबाव बढ़ रहा है। आने वाले कुछ वर्षों में औद्योगिक घराने मीडिया मालिक बनकर 42 फीसदी जनसंख्या पर हावी होने की उम्मीद लगाये बैठे हैं। कहीं ऐसा न हो कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का तमगा ही मीडिया से छिन जाये।

-**राजीव रंजन नाग,** सदस्य, भारतीय प्रेस परिषद, दिल्ली

मीडिया में मूल्य जरूरी

पत्रकारिता समाज का प्रहरी है। इसे समाज को संवारने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। इसके लिए मूल्य जरूरी है। मीडिया में मूल्यों के समावेशता के लिए अध्यात्म और राजयोग ब्रह्माकुमारीज संस्थान से सीखा जा सकता है।

- **डॉ.के. रामचन्द्र मूर्ति,** सम्पादकीय निदेशक, साक्षी मीडिया समूह, हैदराबाद

हर समस्या का हो समाधान

चाहे वह मीडिया हो या कोई भी क्षेत्र समस्यायें तो आती ही हैं। इसके लिए प्रयास करने की जरूरत है। ब्रह्माकुमारीज सरीखे संस्थान ऐसी समस्याओं के निपटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हमें मिलकर संस्थान के प्रयास में मदद करना चाहिए। - **दिनकर राय,** समूह सम्पादक, लोकमत ग्रुप, मुम्बई

ये रहे मौजूद

मुल्यानुगत मीडिया अभिक्रम समिति के राष्ट्रीय संयोजक प्रो. कमल दीक्षित, मीडिया प्रभाग के उपाध्यक्ष बी के आत्मप्रकाश, मीडिया जयपुर के विधायक मोहनलाल गुप्ता, राजस्थान विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष डॉ. संजीव भानावत, सहायक प्रोफेसर डॉ. मनोज लोढ़ा, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पवित्र श्रीवास्तव, द वर्ल्ड रिन्यूवल पत्रिका के सह संपादक बीके युधिष्ठिर, भोपाल के सह जनसंपर्क अधिकारी राजेश पाण्डे, वाई बाबजी - हैदराबाद, बीके गिरीश, डॉ. श्रीगोपाल नारसन - रूडकी, डॉ. हरदीप सिंह - लुधियाना, डॉ. बिन्नी सरीन, अशोक चतुर्वेदी - जयपुर, मीडिया प्रभाग के मुख्यालय कोआर्डिनेटर बीके शांतनु, पीस ऑफ माइंड टीवी के संपादक बीके कोमल समेत बड़ी संख्या में लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।

अन्तरावलोकन से खुद को बनाये सशक्त

मीडिया में नित नये आयाम स्थापित हो रहे है। हर दिन कोई ना कोई नयी समस्या पैदा होती है। परन्तु उसे अपने व्यक्तिगत स्तर से ही निपटना पड़ता है। इसके लिए संस्था का यह प्रयास सराहनीय है। इससे ही हमें समस्याओं के समाधान में मदद मिलेगी। - **अनिल राय,** प्रबन्ध सम्पादक, न्यूज वर्ल्ड इंडिया, नोएडा

टिकरापारा बाल संस्कार शिविर का सम्पन्नता समारोह

बच्चों का सबसे बड़ा उपहार है मात-पिता का सान्निध्य : बीके मंजू

शिव आमंत्रण ■ बिलासपुर

'' हम जब अपना कीमती सामान दूसरों को नहीं दे सकते, तो फिर बच्चों को सम्भालने के लिए कई घण्टों तक हम दूसरों के हाथों में दे देते हैं। ये बातें बच्चे बहुत गौर करते हैं। बच्चों के साथ अभिभावकों के लिए शिविर आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य भी यही था कि बच्चे व अभिभावक कुछ समय साथ रहें।'' उक्त बातें ब्रह्माकुमारीज़ टिकरापारा में नॉर्थ ईस्ट रेल्वे इन्स्टीट्यूट के ऑडिटोरियम में आयोजित बाल संस्कार शिविर के समापन समारोह ''अनमोल रिश्ते'' में उपस्थित अभिभावकों को संबोधित करते हुए बीके मंजू ने कही। उन्होंने अभिभावकों से निवेदन करते हुए कहा, कि अपने बच्चों को कोहिनूर के हीरे से भी कीमती समझकर उनका पालन-पोषण बहुत ही सावधानी और दायित्व के साथ करें। इस दौरान बच्चों ने अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी।

समर कैंप में बच्चों को मार्गदर्शन करती बीके मंजू व उपस्थित बच्चे।

संस्था के कार्यों का विस्तार करना हम सबका दायित्व

पं. सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार राजकुमार सचदेव ने कहा कि संस्थान ने जो बच्चों को दिया है और समाज को दे रही हैं, इसे समाज में और विस्तार करना हम सबका दायित्व है। ऐसी संस्कार देने वाली संस्थायें बहुत कम है। इस अवसर पर पं. सुंदरलाल शर्मा यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार राजकुमार सचदेव जी, बिलासपुर कांग्रेस एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद भ्राता देवाशीष घोष, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रिक्की कलवानी एवं रेल्वे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर भ्राता सत्यनारायण स्वर्णकार, श्रीमति जी के व्ही लक्ष्मी के द्वारा सभी बच्चों को संस्था की ओर से मैडल, ईश्वरीय सौगात एवं प्रसाद दिया गया। इससे पूर्व सेवाकेन्द्र पर प्रातः शिविर के दौरान सभी बच्चों को सर्टिफिकेट भी दी गई।

260 मातृशक्तियों का सम्मान

शिव आमंत्रण, बैंगलोर। देश के कई हिस्सों में मदर्स डे के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। कहीं सेवाकेन्द्र पर बीके बहनों को मां का दर्जा देकर सम्मान दिया गया तो कहीं बच्चों ने माताओं के प्रति अपने दिल के उद्गार सभी के समक्ष रखें। बैंगलोर में संस्थान से जुड़ी मातृशक्तियों का सम्मान किया गया, इस दौरान वी.वी पुरम् सेवाकेन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद कुपेन्द्र रेड्डी ने इस मौके पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें ये जान कर अच्छा लगा कि संस्थान में प्रतिदिन गीता सुनाई जाती है और यहाँ के सदस्य इसे जीवन में भी धारण करते है।

इस अवसर पर समाज सेविका मंजुला सुब्रह्मणियम, बीके अम्बिका, तथा बड़ी संख्या में संस्थान से जुड़े सदस्यों ने 260 माताओं का सम्मान किया। इस दौरान सेवाकेन्द्र पर कलाकारों द्वारा कई प्रस्तुतियां भी दी गई।

अकोट में संगीत संध्या की धूम

संगीत संध्या का दीप प्रज्ज्वलन से उद्घाटन करते अतिथि।

शिव आमंत्रण, अकोट। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, अकोट द्वारा संगीत संध्या कार्यक्रम एक शाम प्रभु के नाम संपन्न हुआ। इस खास कार्यक्रम के लिए माऊंट आबू, पांडव भवन से मधुरवाणी ग्रुप के बीके सतीश, बीके नितिन, बीके ज्ञानेश्वर उपस्थित थे। सेवाकेंद्र संचालिका बीके जया ने अतिथियों का स्वागत किया तथा बीके मृदूंगा ने स्वागत गीत द्वारा अपने सुंदर नृत्य से अतिथियों को अभीभूत कर दिया। बीके नितिन और बीके सतीश ने अपने मधुर सुरों से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध किया। गीत के साथ उन्होने उपस्थित लोगों को राजयोग व ईश्वर का भी परिचय दिया। इस कार्यक्रम का लाभ संतोष अग्रवाल के साथ अनेक वरिष्ठ नागरिकशामील थे।

आंगनबाड़ी केन्द्रों को ब्रह्माकुमारीज के संपर्क में लाएं

उड़ीसा केबिनेट मिनिस्टर समल के विचार

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते मंत्री समल व अन्य अतिथि।

शिव आमंत्रण, कटक। उड़ीसा में जो 72,000 आंगनबाड़ी केंद्र है उन्हे ब्रह्माकुमारीज़ के संपर्क मे लाना चाहिए, ताकि जीवन के शुरूआती दौर में जीवन मूल्यों का समावेश हो जाए। ये उनकी उन्नती का एक अच्छा साधन बन सकता है। उक्त विचार उड़ीसा सरकार के केबिनेट मिनिस्टर प्रफुल्ल कमार समल ने व्यक्त किया। उन्होंने ब्रहमाकुमारीज़ के समाज सेवी कार्यों की सराहना भी की।

वे कटक के विश्व शांति सरोवर रिट्रिट सेंटर में उड़िसा सरकार के सामाजिक सुरक्षा विभाग व ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वाधान में दिव्यांगों के सशक्तिकरण के लिए अच्छे प्रशासन और सामाजिक सुरक्षा के लिए अध्यात्मिक मार्ग विषय पर आयोजित कार्यशाला में सभा को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ उड़ीसा सरकार के केबिनेट मिनिस्टर प्रफुल्ल कुमार समल, प्रमुख सचिव आईएएस नितिन चंद्रा, सामाजिक सुरक्षा विभाग की निदेशिका आईएएस मानसी निंबल, ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल प्रभाग के कार्यकारी निदेशक बीके बनारसी, कटक सबजोन प्रभारी बीके कमलेश, भुवनेश्वर सबजोन प्रभारी बीके लीना सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

आईएएस नितिन चंद्र ने गरीब लोगों की स्थिति बताते हुये कहा कि इन्हें थोड़ी सी भी मदद मिल जाये तो इनका जीवन बदल सकता है। कंधमाल जिले में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की गई नशामुक्ति का विश्लेषण बीके भारती ने किया। मेडिकल प्रभाग के कार्यकारी निदेशक बीके बनारसी ने कहा, उड़ीसा सरकार ब्रह्माकुमारीज़ को समाज परिवर्तन में अच्छा सहकार्य कर रही है। इस दौरान एक आध्यात्मिक पुस्तक ब्रेली का विमोचन भी किया गया।

तम्बाकू निषेध दिवस पर मिर्जापुर में जन-जागरूकता रैली

शिव आमंत्रण ■ मिर्जापुर

रैली को हरी झंडी दिखाते विधायक पंडित र ाकर मिश्र।

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र प्रभु उपहार भवन द्वारा अंतरराष्ट्रीय तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर जन-जागरूकता हेतु रैली निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में बीके सदस्यों सहित अन्य लोगों ने शामिल होकर तम्बाकू, बीड़ी, सिगरेट व शराब के सेवन से होने वाली हानियों से सभी को अवगत कराया तथा इन्हें छोड़ने की अपील की। इस अवसर पर स्थानीय विधायक पंडित रत्नाकर मिश्र ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवागनी दी। यह रैली रोडवेज तिहारा से संगमोहाल, कटरा, गणेशर गंज, मुकेरी बाजार एवं शहर के मुख्य स्थानों से होते हुए शुक्लाहा आकर समाप्त हुई। इस मौके पर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके बिंदु ने पंडित रत्नाकर मिश्र का स्वागत किया व उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित किया । बीके बिंदु ने उन्हें संस्था द्वारा चल रही ईश्वरीय सेवाओं की जानकारी दी व परमात्मा पिता द्वारा सिखाये जा रहे राजयोग को सीखने का आग्रह किया। इस दौरान पंडित रत्नाकर मिश्र ने ब्रह्माकुमारीज द्वारा की जा रही सेवाओं की सराहना की तथा संस्थान के हर कार्यक्रम में सम्मिलित रहने की इच्छा व्यक्त की।

रेडियो मधुबन द्वारा माताओं का सम्मान

रेडिओ मधुबन द्वारा सम्मान प्राप्त माताएं।

शिव आमंत्रण, आबूरोड। रेडियो मधुबन द्वारा मातृ दिवस व परिवार दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए। पहला कार्यक्रम मोरडू गाँव में आयोजित किया गया जिसमें ग्रामीण महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान जिन माताओं ने अपने बच्चों को सातवीं कक्षा से आगे पढ़ने के लिए भेजा है उन्हें शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु माला पहना कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी माताओं ने अपने जीवन की रोजमर्रा की चुनौतियों एवं समस्याओं के बारे में चर्चा की। अंत में सभी महिलाओं ने लोकगीत पर नृत्य किया। दूसरे कार्यक्रम का आयोजन देवदर पंचायत के टूंका गाँव में किया गया। यहाँ नरेगा मजदूरों के साथ मातृ दिवस और विश्व परिवार दिवस मनाया गया। सबसे पहले आर. जे. विनोद ने परिवार दिवस के बारे में जानकारी दी। इसके बाद सभी से, परिवार से संतुष्ट रहने और करने के अनुभव के बारे में बताया गया। इस दिवस के अवसर पर महिलाओं को समाज को शिक्षित करने की भूमिका के बारे में जागृत किया गया। इस कार्यक्रम से रेडियो पर 15 बच्चों की रिकॉर्डिंग प्रसारित की गयी जिसमें उन्होंने बताया की उनकी माँ कैसे उनकी हीरो है। इसके अतिरिक्त परिवार की भूमिका समझाने के लिए बच्चों की एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें टीम बना कर बच्चों ने परिवार के महत्व को दर्शाया।

मथुरा रिफाइनरी में दिया शिवसंदेश

शिव आमंत्रण, मथुरा। सभी दुखों से मुक्त होने की एक ही दवाई है और वह है परमात्मा की याद... इसलिए सारे दिन में थोड़ा समय भगवान को याद करने के लिए जरूर निकालना चाहिए। यही संदेश मथुरा रिफाइनरी के आई.ओ.सी.एल में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी बहनों ने देने का प्रयास किया। सुरक्षा सेवा प्रभाग द्वारा सीआईएसएफ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में कमांडर शिव सिंह ने बताया कि राजयोग मेडिटेशन के द्वारा अपना कार्य सुचारू रूप से कर सकते हैं। बीके सारिका ने कहा, कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए चेकिंग के साथ साथ चेंज करने की भी आवश्यकता है। इस अवसर पर जगन्नाथपुरी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कुसुम ने इडीएल डब्ल्यू कोनगीर, डिप्टी कमांडेंट ऑफिसर प्रदीप कुमार को ईश्वरीय सौगात व साहित्य भेंट किया और राजयोग सीखने का आहवान किया।

अलविदा तनाव शिविर में बीके पूनम के विचार

राजयोग से विचारों का शुद्धिकरण करना होगा

नकारात्मक विचार ही रोगों का मुख्य कारण

शिविर का दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करते अतिथि।

शिव आमंत्रण ■ लखनऊ

बीके पूनम ने लखनऊ के जानकीपूरम में आयोजित कार्यक्रम मे बताया, कि तनाव का मुख्य कारण पश्चिमी लाईफ स्टाईल और आध्यात्मिक ज्ञान की कमी है। आध्यात्मिकता सम्पूर्ण स्वास्थ्य की कुंजी हैं। नकारात्मक विचार ही हमारे अंदर रोगो एवं समस्याओं का मुख्य कारण हैं। इन्ही विचारों ने डाईबिटीज, ब्लड प्रेशर, डिप्रेशन को जन्म दिया हैं । अंतत: हमे राजयोग से अपने विचारों का शुद्धिकरण करना चाहिए।

तनावमुक्ति शिविर में उपस्थित लोग

तनाव से ग्रस्त लोगों को निजात दिलाने के लिए लखनऊ के जानकीपुरम में ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय सेवाकेंद्र ने १३ दिवसीय 'अलविदा तनाव' शिविर का आयोजन किया जिसका शुभारंभ विधायक नीरज बोरा, मेयर सुरेश अवस्थी, गोमती नगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके राधा, जानकी पुरम् सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुमन की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। क्षेत्रीय विधायक डॉनी रजबोरा ने कहा, की यह संस्थान मानव जीवन के लिए बहुत ही श्रेष्ठ कार्य कर रही है और इसी वजह से मैं इनके हर कार्यक्रम में जाने का इच्छुक रहता हूं। अलविदा तनाव कार्यक्रम का समापन बड़े ही खुशियों के साथ किया गया जिसमें लखनऊ के महापौर सुरेश अवस्थी और क्षेत्रीय पार्षद चाँद सिद्दीकी भी सम्मिलित हुए। इस दौरान कार्यक्रम का प्रतिदिन हजारों लोगों ने लाभ लिया।

क्विक न्यूज

विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

पर्यावरण दिवश पर पेड़ लगाते वरिष्ठ बीके भाई-बहनें।

शिव आमंत्रण, ग्वालियर। ग्वालियर के महाराजपुर में संस्थान के गोल्डन वर्ल्ड रिट्रीट सेवाकेन्द्र द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर टीआई पुलिस थाना मालनपुर से मुख्यातिथि शिव सिंह यादव, एसएन प्लास्टिक फैक्टरी के निर्देशक अमृताभ शर्मा, अनिरूद्ध क्वालिटी प्रबन्धक तथा मुख्य वक्ता भोपाल जोन की निर्देशिका बीके अवधेश, छतरपुर सेवाकेन्द्र संचालिका बीके शैलजा, शाजापुर सेवाकेन्द्र संचालिका बीके प्रतिभा, बीके रेखा के साथ-साथ अन्य संस्था सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान बीके अवधेश ने सभी उपस्थित लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि वृक्षारोपण करने मात्र से ही आज पर्यावरण प्रदूषण की समस्या समाप्त नहीं हो जाती लेकिन हमें इसके साथ-साथ उन पौधों को वृक्ष बनने तक सम्भाल भी करनी होगी। तब हम अपने मुकाम पर पहुँचेंगे।

चापड़ गाँव में संगीत संध्या कार्यक्रम

संगीत संध्या कार्यक्रम सादर करती बीके हंसा।

शिव आमंत्रण, वडोदरा। लोगों को तनाव से मुक्त करने एवं उनका आध्यात्मिक मनोरंजन करने के लिए वडोदरा, अटलादरा के उपसेवाकेन्द्र द्वारा चापड़ गांव में संगीत संध्या आयोजित की गई। जिसमें बीके हंसा ने आध्यात्मिक एवं शिक्षाप्रद गीतों के माध्यम से सभी का मनोरंजन किया एवं इस पुरानी दुनिया से प्रीत न रख परमात्मा पिता से सर्व संबंध जोड़ने की बात कही। संगीत संध्या का शुभारम्भ गांव के सरपंच जगदीश पटेल, काशीबा फार्म के ओनर हर्षद पटेल, बिज़नेसमैन प्रवीण पटेल तथा जिग्नेश पटेल, अटलादरा सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके अरुणा, चापड़ उपसेवाकेन्द्र प्रभारी बीके अर्पिता व बीके चिमन ने किया।

फरीदाबाद में व्यसनमुक्ति अभियान

राजयोग की जानकारी देती बीके पूनम।

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में कई स्थानों पर व्यसनमुक्ति अभियान चलाया गया। इस दौरान फरीदाबाद के 25 क्षेत्रों में अभियान चलाकर लोगों को तम्बाकू, ड्रग्स एवं शराब छोड़ने का संकल्प कराया गया। अभियान के संयोजक एसीपी राजेश कुमार, चौकी इंचार्ज भारद्वाज, ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के स्थानीय सेवाकेन्द्र से बीके पूनम, बीके सुधा ने इस अभियान के अन्तर्गत इंडो ऑटो लिमिटेड, इम्पीरियल ऑटो, सेक्टर-4 के शिव मंदिर तथा अन्य स्थानों पर लोगों को राजयोग मेडिटेशन के प्रयोगों की जानकारी दी, और व्यसनमुक्ति के लिए राजयोग की सार्थकता से लोगों को अवगत कराया।

राष्ट्रीय अभियान यूथ 12 अगस्त से शुरू

सेवाकेंद्र द्वारा गांव मे निकाली गई रैली।

शिव आमंत्रण, घाटकोपर। ब्रह्मकुमारीज़ संस्थान के युवा प्रभाग द्वारा विशेष रुप से डिज़ाईन की गई बस के माध्यम से राष्ट्रीय अभियान - मेरा भारत, स्वर्णिम भारत का आयोजन किया जा रहा है। यह बस भारत के सभी छोटे गांवों और बड़े शहरों में यात्रा करेगी। जिसका शुभारम्भ इंटरनेशनल यूथ डे पर 12 अगस्त 2017 को किया जाएगा। इस अभियान का पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम मुम्बई में घाटकोपर के ओम् निवास में आयोजित किया गया। जिसमें मुम्बई से सैकड़ों की संख्या में युवा भाईयों और बहनों ने प्रशिक्षण कार्य में भाग लिया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ युवा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके चंद्रिका, बीके कमलेश, माउण्ट आबू से युवा प्रभाग के वरिष्ठ सदस्य बीके जीतू ने किया। कार्यक्रम में विर्ले पार्ले सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके योगिनी ने अपने अनुभवों से सभी को लाभान्वित किया। इसके बाद शहर में प्रतिभागियों द्वारा रैली भी निकाली गई।

समर कैंप में विभिन्न प्रतिस्पर्धाएं

रांची के समर कैंप मे सहभागी बच्चे।

शिव आमंत्रण, रांची। रांची, झारखंड के हरमू रोड स्थित सेवाकेंद्र में आयोजित समर कैंप का शुभारंभ रेल्वे पुलिस के पूर्व डायरेक्टर जनरल ए.के. सिन्हा, दामोदर वैली कार्पोरेशन के पूर्व मुख्य अभियंता जी.पी. सिंह, बोकारो थर्मल पॉवर प्लांट के पूर्व अभियंता प्रमोद, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके निर्मला ने किया। कैंप के दौरान बच्चों के लिए चित्रकला, डांस, मेडिटेशन समेत कई कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उमंग व उत्साह से भाग लिया। वहीं अतिथियों व सेवाकेंद्र प्रभारी बीके निर्मला ने सभी बच्चों को अपने अनमोल वचनों से लाभान्वित किया।

जगतगुरू रामस्वरूपाचार्य से की मुलाकात

शिव आमंत्रण, विदिशा। विदिशा के गंजबासौदा में एक हजार एक सौ ग्यारह कुंडीय रूद्र महायज्ञ हुआ जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कौशल्या ने यज्ञ सम्राट एक हजार एक सौ आठ कनक बिहारी महाराज एवं कथावाचक कामदगिरी पीठाधीश्वर जगतगुरू रामस्वरूपाचार्य महाराज को शॉल ओढ़ाकर व ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित किया ।

संस्थान में असीम शक्ति है, 2022 तक बनायें नया भारत : प्रधानमंत्री मोदी

आपके ब्रह्माकुमारी के देशविदेश में 8500 केंद्र हैं, लाखों कार्यकर्ता हैं। जैसे आपने सोलार एनर्जी के द्वारा एक दिशा दी है, वैसे घर-घर में एलईडी बल्ब के लिए भी आपके सभी ब्रह्माकुमार और ब्रह्माकुमारी देश में एक जागृति ला सकते हैं। उसके कारण ऊर्जा की बचत होगी, गरीब आदमी के जेब में पैसा बचेगा, म्युनिसीपालिटी, कार्पोरेशन के पैसे बचेंगे; उसे और काम में ला सकते हैं। और जो एक जमाने में 400-500 में एलईडी बल्ब बिकता था, आज 50-60-70 रुपये में एलईडी बल्ब मिल रहा है। तो एक बड़ा काम ब्रह्माकुमारी के द्वारा समाज में जो चल रहा है उसमें इस काम को भी जोड़ा जा सकता है।

आज हम इंपोर्टेड पेट्रोल-डीजल पर निर्भर करते हैं, अगर हम पवन ऊर्जा, पानी से ऊर्जा, सूर्य शक्ति से ऊर्जा, इस पर अगर बल देंगे तो भारत को ये बाहर से पेट्रोलियम के लिए इतने रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं; अरबों-खरबों रुपये जा रहे हैं, वो बचेंगे जो हिन्दुस्तान के गरीब के काम आएंगे। उस दिशा में आपका ये योगदान अपने-आप में एक सही दिशा का काम है और इसलिए आप अभिनंदन के अधिकारी हैं।

ब्रह्माकुमारी संस्थान का मंत्र -'एक ईश्वर, एक विश्व परिवार' ये मूलतः हमारे देश का चिंतन है। 'वसुधैव कुटुम्बकम' शायद ही दुनिया में इतना विशाल, व्यापक चिंतन और विचार इसी धरती से पैदा हुआ है। समय-समय पर उसकी वाक्य रचना अलग होगी, अभिव्यक्ति अलग रही होगी, और इसलिए भारत विश्व में न्याय, गरिमा, अवसर और समृद्धि के लिए प्रयत्नशील रहता है। भारत के ही प्रयास से आज विश्व में आंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के माध्यम से प्रकृति की रक्षा के लिए एक आंदोलन चल रहा है और दुनिया के देश हमसे जुड़ रहे हैं। आज जब सभी लोग वहां मिले हैं तब, आप 80 साल मना रहे हैं तब, मैं आपसे एक आग्रह करूंगा और आज यहां से जाने से पहले, इतना बड़ा समारोह हो रहा है, देश भर के लोग वहां आए हैं, तब आप भी कुछ सोचिए कि

ब्रह्माकुमारीज की अस्सीवीं सालगिराह पर प्रधानमंत्री मोदी का दिया गया ओजस्वी वक्तव्य

2022, भारत की आजादी के 75 साल हो रहे हैं। देश की आजादी के लिए मरने-मिटने वालों ने जो सपने देखे थे, क्या हम सबका जिम्मा नहीं है उन सपनों को पूरा करने के लिए कुछ करें? सामूहिक रूप से करें, संकल्प ले कर के करें, सही दिशा में करें। और दुनिया की इतनी बड़ी आबादी में अगर उसके जीवन में बदलाव लाते हैं तो विश्व का कल्याण करने का भी एक बहुत बड़ा आधार बन सकता है। आज जब आप इतनी बड़ी तादाद में वहां इकट्ठे हुए हैं, 2022 तक ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय के विश्व में फैले हुए ब्रह्माकुमारी संगठन के माध्यम से, भारत में आठ हजार से ज्यादा आपकी इकाइयों के माध्यम से आप संकल्प लीजिए। 2022 तक इसको पूरा करके रहेंगे, इसका आप निर्णय कीजिए। देखिए आपका कितना बड़ा योगदान होगा। जो भारत इस प्रकार से सज्ज हो रहा है उसमें आप भी ऊर्जा भर देंगे, ऐसा मुझे विश्वास है।

अब पिछले दिनों आप लोगों ने देखा है नोटबंदी के बाद भ्रष्टाचार और काले धन के खिलाफ एक निर्णायक लड़ाई की और हम आगे बढ़े हैं। देश को फिर से एक बार काले धन की ओर जाने से बचाने में डिजिटल टेक्नीक बहुत बड़ा काम कर सकती है। नकद की लेनदेन जितनी कम हो, जितना ज्यादा डिजिटल करन्सी का उपयोग हो, हम देश में एक शुचिता वाली व्यवस्था को विकसित कर सकते हैं। क्या सभी ब्रह्माकुमार, ब्रह्माकुमारी, जहां-जहां उनका प्रभाव है; अपने मोबाइल फोन पर भी भीम एप डाउनलोड करके छोटे-छोटे व्यापारियों को डिजिटल लेनदेन के लिए, नकद से मुक्ति की दिशा में जाने के लिए प्रयास कर सकते हैं? मैं आज जब आपके बीच आया हूं, भले टेक्नोलोजी के माध्यम से आया हूं, लेकिन मेरा आपके साथ इतना नाता रहा है कि मैं आपसे हक से भी कह सकता हूं कि ब्रह्माकुमारी के द्वारा इस काम को बल दिया जाये और देश में परिवर्तन के सूत्रधार के रूप में आपकी इतनी बड़ी संस्कारित जो मानव शक्ति है वो काम आए।

ब्रह्माकुमारी आंदोलन में ब्रह्माकुमार तो हैं ही हैं, लेकिन ब्रह्माकुमारी बहुत सक्रिय हैं। हमारे देश में आज भी लाखों की तादाद में ऐसे बच्चे हैं जो टीकाकरण से वंचित हैं। और टीकाकरण से वंचित होने के कारण वो किसी न किसी गंभीर बीमारी के शिकार हो जाते हैं। माता मृत्युदर, शिशु मृत्युदर ये चिंता का विषय होता है। जब भी टीकाकरण का कार्यक्रम हो हमारे ब्रह्माकुमार और ब्रह्माकुमारीज़ एक वालेंटियर के रूप में उससे जुड़ जाएं, छोटे-छोटे बच्चों की जिंदगी बचाने के लिए काम आ जाएं, कितनी बड़ी सेवा होगी! और आप तो इसी सेवाधर्म से जुड़े हुए हैं। अगर इसको आप ले लें, बहुत बड़ा काम कर सकते हैं।

मैं एक और काम के लिए आज आपसे आग्रह करता हूं। ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय, अगर ये विश्वविद्यालय है; आप एक ऐसा आनलाइन कोर्स शुरू कर सकते हैं क्या जिसमें हिन्दुस्तान के लोगों को आनलाईन एग्जाम के लिए प्रेरित करें। सर्टिफिकेट कोर्स करें, एज्युकेट करें, एग्जाम लें और वो विषय हैं मेरे मन में न्यूट्रिशन। पोषण के विषय में हमारे यहां अज्ञानता का भी एक बहुत बड़ा दुर्भाव है। इस उम्र में क्या खाना चाहिए, शरीर के लिए किन चीजों की जरूरत है, उसके ज्ञान का भी अभाव है। दो टाइम पेट भर लिया तो काम हो गया। जिसकी आर्थिक स्थिति ठीक है, दोनों टाइम अच्छा खाना खा सकता है उसको भी इसका पता नहीं है कि क्या खाना, क्या नहीं खाना और कब खाना, कैसे खाना। ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय, शरीर के पोषण के लिए किन-किन चीजों की आवश्यकता है, शरीर में किसी चीज की कमी हो तो कैसे नुकसान होता है इसके बारे में एक सर्टिफिकेट कोर्स, आनलाईन ट्रेनिंग, आनलाईन एग्जामिनेशन ये पूरा आंदोलन खड़ा कर सकता हैं। हिन्दुस्तान की सभी युनिवर्सिटियों को आपके साथ जोड़ सकते हैं, क्यों? आप एक ऐसा संगठन हैं जिसमें महिलाओं की संख्या ज्यादा है। सक्रिय भूमिका भी महिलाओं की है। और न्युट्रिशन की समस्या का समाधान अगर करना है, हमारे बालकों को कुपोषण से बाहर निकालना है, तो आप बहुत बड़ा योगदान दे सकते हैं। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप इसमें सोचिए। मैं भारत सरकार से भी कहूंगा, राज्य सरकार से भी आग्रह करूंगा कि अगर आप इस काम को लेकर आगे आते हैं तो जरूर वे भी आपको उचित मार्गदर्शन करेंगे; जो भी मदद करनी चाहिए, वो करेंगे। लेकिन एक आंदोलन हम खड़ा कर सकते हैं।

मातृशक्ति को नमन

भारत सरकार ने महिला सशक्ति करण के लिए कई कदम उठाए हैं। अभी आपने देखा होगा कुछ दिन पहले जो हमारी वर्किंग विमेन क्लास जो है पूरा, डिलीवरी के बाद, प्रसूति के बाद पहले उनको सिर्फ 12 सप्ताह की छुट्टी मिलती थी, हमने उनको 12 सप्ताह से 26 सप्ताह कर दिया है ताकि वो अपने बालक की देखभाल करने की जब सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है, तो मां अपने बच्चे के साथ रह सके, पूरा समय दे सके। वो समय प्रारंभ के जो कुछ महीने होते हैं; जो बालक की जिंदगी में बड़े महत्व के होते हैं, संतान की जिंदगी में बड़े महत्व के होते हैं। मां की मौजूदगी बहुत बड़ा रोल कर सकती है। और दुनिया में शायद दो या तीन ही देश हैं जो 26 हफ्ते से ज्यादा छुट्टी देते होंगे। दुनिया के समृद्ध और प्रगतिशील देश भी 26 हफ्ते की छुट्टी नहीं दे रहे, भारत ने इतना बड़ा फैसला कर लिया है! क्योंकि हमारी माताओं-बहनों का सशक्ति करण देश के सशक्ति करण में एक नई ऊर्जा भर सकता है, नई गति भर सकता है और परिणाम की दृष्टि से काफी सफल यात्रा की ओर हमें ले जा सकता है।

सुकन्या समृद्धि योजना हो, गर्भवती महिलाओं के लिए बैंक खाते से तीन किश्तों में 6000 रुपये देने की योजना हो, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान हो। अभी उज्ज्वला योजना के तहत एक बड़ा अभियान चलाया है। हमारी गरीब मां-बहनें लकड़ी का चूल्हा जला करके खाना पकाती थीं और मेडिकल से जुड़े हुए लोगों का कहना है कि जब एक मां, गरीब मां लकड़ी से चूल्हा जला करके खाना पकाती है तो एक दिन में उसके शरीर में 400 सिगरेट का धुंआ जाता है। बच्चे आसपास खेलते होते हैं तो उनके शरीर में भी वो धुंआ जाता है। हमारी मां-बहनों की तबियत का क्या हाल होगा? भारत सरकार ने एक बहुत बड़ा इनिशिएटीव लिया है कि हमें इन गरीब माताओं को खाना पकाने के लिए लकड़ी के चूल्हे से मुक्ति दिलानी है। और लकड़ी के चूल्हे से मुक्ति दिलाने के लिए एलपीजी गैस सिलेंडर का कनेक्शन देने के बारे में एक बहुत बड़ा आंदोलन चला। पिछले दस महीने से ये आंदोलन चलाया है, अब तक करीब-करीब दो करोड़ गरीब परिवारों में गैस के कनेक्शन पहुंच चुके हैं, गैस का चूल्हां जल रहा है। लकड़ी के चूल्हों से, धुंए से उनको मुक्ति मिल चुकी है। और ये तीन साल में 5 करोड़ परिवारों में पहुंचने का संकल्प है।

अमृत कण

युवा एनर्जी संचालन हो पा रही है?

इतना बडा हमारे पास युवा वर्ग है, युवा एनर्जी है वो उर्जा क्या सच मे संचालन हो पा रही है। हम इतने बडे युवा वर्ग को तकनिकी शिक्षा इतने बडे पाठ्यक्रम से दे रहे है क्या उतने आविष्कार भी इस देश मे निकल के आ रहे है? वुई आर द थर्ड इन द कंझ्युमर मार्केट इन धिस वर्ल्ड मार्केट बट वेन वुई टॉक अबाउट इनोवेशन वुई आर ॲट द 66 थ रँक।

-डॉ. एम. एस. मन्ना, अ.भा.शिक्षा परिषद के निदेशक

दिव्य बनती है आत्मा

योग से कई बाते आत्मा मे गहराई से जाती है और आत्मा डिवाईन बन जाती है। योग के कई अनुभव शब्दों मे विश्लेषण नही कर सकते लेकिन उनसे आत्मा बेहद खुशी अनुभव करती है। ये अनुभव फिर वरदान बन जाते है। मै ब्रह्माकुमारी संस्था के बारे में खुश इसलिए हूं कि संस्था का हर सदस्य खुशी बढ़ाने में मददगार रहता है।

-पद्मश्री एस. एम. आरिफ, भारतीय बैडमिंटन कोच

आध्यात्मिक जीवन से ही बॅलन्स बनेगा

जब तक आध्यात्मिक जीवन नही बनेगा तबतक जीवन बॅलन्स नही बनेगा। जिन्होने अपने जीवन में परिवर्तन किया तभी समाज में भी उनके जीवन का परिणाम आया। ब्रह्माकुमारीज परिसर में हम अच्छी तरह से शांति और सुकुन का अनुभव करते है।

-कंवर पाल, हरियाणा विधानसभा स्पीकर

पेडों का बच्चे की तरह भरण पोषण करे

हमारा देश, हमारा विश्व ग्लोबल वार्मिंग से झूज रहा है। विश्व परिवर्तन दिवस पर हम यह संकल्प ले कि हम सब मिल के पर्यावरण को बचाएं। पेड़ लगाने तक ही सीमीत ना रहे, उनका बच्चे की तरह भरण पोषण भी करें। वह इस अवस्था तक आकर खड़े हो जाएं कि हमे छांव दे सके, ऑक्सीजन दे सकें।

- पायल अरूण परशुरामपुरिया, जिला प्रमुख सिरोही

जब सपने में दिखे श्वेत वस्त्रधारी प्रजापिता ब्रह्मा बाबा

शख्सियत

बीके एन्टोनेला वर्तमान में ईश्वरीय सेवार्थ ईटली में हैं।

ईटली के एक क्रिश्चियन परिवार में जन्मि सिस्टर एन्टोनेला। सन् 1988 में जापान युनिवर्सिटी में जापानी भाषा, संस्कृति तथा साहित्य का अध्ययन करते हुए आपको ईश्वरीय ज्ञान प्राप्त हुआ। आप ज्ञान में आने से पहले ईटली में वस्त्रों की अच्छी व्यापारी भी रहीं। वर्तमान में आप लिविंग वैल्यूज असोसियेशन की अध्यक्षता के साथ-साथ बाबा के निर्देशनानुसार ईटली देश की ब्रह्माकुमारीज़ सेन्टरों की राष्ट्रीय संयोजिका के रुप में सेवा दें रहें हैं। आइयें हम जानतें हैं ऐसी महान आत्मा के बारे में ईन्हीं के कलम से . . .

सफेद वस्त्रधारी बुजुर्ग ने दिखाई राह

मैं सन् 1983 मे, जब 22 साल की थी, तब रोम में थी। वहाँ मैने एक स्वप्न देखा। उस स्वप्न में सफेद वस्त्रधारी एक बुजुर्ग व्यक्ति आया था। उसको मैं पहचान नही पायी थीं लेकिन उसको देखकर मुझे यह अनुभव हो रहा था कि वह मुझे सत्य के बारे में बताना चाहता है। वह सुबह का समय था। वो व्यक्ति जो भाषा बोल रहा था वह न तो ईटालियन थी, न ही इंग्लिश। मुझे लगा कि चीनी भाषा बोल रहा है। अगले दिन मैंने चीनी एम्बैसी में फोन किया कि चीनी भाषा सीखने में कितना समय लगता है। मैंने सोचा कि अगर वह व्यक्ति मुझे कहीं मिल जाये तो मैं उससे बात कर सकूं। एम्बैसी ने कहा कि कम से कम तीन साल चाहिये। तीन साल तो मैंने चीनी भाषा सीखने का विचार त्याग दिया। दूसरी रात और तीसरी रात वहीं व्यक्ति फिर से स्वप्न में आया। उसका वही हावभाव था और मुझे उठते ही बहुत कुतूहल होता था कि उस व्यक्ति को जल्दी से जल्दी ढूँढ़ना चाहिये। उन्हीं दिनों रोम में सेंटर खुला था, दादी प्रकाशमणि जी उसका उद्घाटन करने आयी थीं। यह बात मुझे बाद में पता पड़ी।

जब हुआ वैचारिक द्वंद्व

इसके छः सालों के बाद मुझे ज्ञान मिला। आगे की पढ़ाई के लिए मैं रोम से ईटली के मिलान शहर गयी। वहाँ मैं जापानी भाषा तथा साहित्य की पढ़ाई में इतना मगन हो गयी कि स्वप्न मेरे दिमाग से निकल गयी। इसके बाद अचानक मैंने चीनी भाषा सीखने का निर्णय लिया। युनिवर्सिटी मे चीनी भाषा विभाग में सेक्रेटरी से मिली। उसके ऑफिस मे एक बहुत बड़ा तथा सुन्दर जापान का चित्र था, उसको देखकर मैंने पूछा कि यह स्थान कहाँ है? उसने कहा, जापान में। तब मैनें सोचा, चीनी भाषा सीखने से अच्छा है कि मैं जापान जाऊँ। फिर मैनें जापान जाने का विचार किया। मुझे पता नही पड़ रहा था कि मैं ऐसा बिन मतलब वाला काम क्यों कर रही हूँ। मैं क्यों जापानी भाषा तथा साहित्य सीख रही हूँ और क्यों जापान जाना चाहती हूँ। मिलान में जापानी भाषा का कोर्स पूरा करने के बाद अभ्यास के लिए जापान जाने का सोचा। मिलान में विभिन्न देशों के विभिन्न विद्यार्थियों, लड़कियों के साथ मेरी मित्रता हो गयी थी। उसके पिता की मौत हो गयी तो वह बहुत दुखी थी। अगले दिन वह ऑस्ट्रेलिया जाने वाली थी, उसको छोड़ने मैं भी एअरपोर्ट तक गयी थी। वहाँ वह बहुत शान्त थी। मैने कहा, बहुत अच्छा हुआ जो तुम ठीक हो गयी और अपने को संभाल लिया। उसने कहा, हां मैं शान्त हूं क्योकि मेरी मम्मी ने फोन किया था कि पिता जी ने शान्ति में रहकर शरीर छोड़ा था क्योंकि योग करते थे। विचार चलने लगा कि यह योग क्या है? उस समय योग क्या है, पता नही था, यह पीस क्या है पता नही था। शान्ति मे रहकर मरना क्या है? शान्ति मे रहकर मरने से क्या होता है? शान्ति में रहकर मरने के लिए क्या करना चाहिए? ये सारे प्रश्न उठने लगे। इसके बाद मैं जापान विज्ञापन देखा कि राजयोग मेडिटेशन, फ्री में सिखाया जायेगा। मैंने उस मैगजीन से टेलिफोन नम्बर लेकर ब्रह्माकुमारी सेन्टर पर फोन किया। क्लास में आने वाले एक भाई ने बताया कि हां हम योग सिखायेंगे लेकिन आपको तीन सप्ताह इन्तजार करना पड़ेगा क्योकि भारत से वापिस आने में उनको इतना समय लगेगा। मैंने कहा, ठीक है, मैं इन्तजार करूंगी। परन्तु एक आश्चर्य की बात यह थी कि मैं कभी किसी वस्तु या व्यक्ति के लिए इन्तजार नही करती थी।

सच्चा सुख पाने की रही चाह

ईटली में बहुत अच्छी जगह पर मेरी वस्त्रों की दुकान थी। साल में चार मास ही काम करती थी और बहुत कमाई होती थी। बाकी समय घूमना - फिरना करती थी। मैं बहुत भौतिकवादी थी लेकिन पहली बार मेरे मन में आन्तरिक सुख के बारे में चिन्तन चलने लगा। मन मे संकल्प था एक वृक्ष जैसे स्थिर, शक्तिशाली तथा उदार बनना है। जब मै सेन्टर पर गयी कोर्स लेने के लिए तो उन्होने कहा कि आप ऊपर जाओ, क्लास चल रही है। जब ऊपर गयी तो वहाँ एक बड़ा वृक्ष का चित्र लगा हुआ था। उसे देख मुझे बहुत खुशी हुई क्योंकि मैं वृक्ष के बारे में ही सोच रही थी। मुझे लगा कि मैं सही स्थान पर आयी हूं। मैं यूनिवर्सिटी से ही सीधी वहाँ पहुंची थी। मैंने समझा था कि यहाँ हठयोग सिखायेंगे उसके लिए तो विशेष ड्रेस होती है। बताया गया कि कोई भी ड्रेस पहन सकती है। लेकिन यह अन्य योगों से भिन्न प्रकार का योग है। बातें करते करते वह भाई मुझे आत्मा के बारे में बताने लगा। उन्होने जो कुछ भी बताया, हर शब्द मुझे सही लगा, यह ज्ञान मैने कभी सुना ही नही था। सोल ,आत्मा शब्द मैने कई बार सुना था, कई पुस्तकों मे पढ़ा था लेकिन उसके बारे में विस्तारपूर्ण ज्ञान मुझे कहीं नहीं मिला था।

ज्ञान को सुन रह गई हैरान

इस ज्ञान को सुनकर सच में मै हैरान हो गयी कि यह कैसा विचित्र ज्ञान है। आत्मा के पाठ के बाद जब मैं मेटिटेशन करने लगी तो ऐसा अनुभव हुआ कि मै शरीर से अलग हो गयी हूँ। जब मैं अपने घर पर आयी तो मुझे ऐसे लग रहा था के मुझे कोई ऊपर खींच रहा है। मैं धरती पर नही हं, मै ऊपर ऊपर जा रही हूं। जब दूसरा पाठ शुरू हुआ तो मैंने उस भाई को यह अनुभव बताया और कहा कि मुझे जल्दी जल्दी सारी बातें सुना दो। सारा ज्ञान मैं जल्दी से जल्दी सुनना चाहती हूं। सप्ताह मे एक बार एक एक पाठ दिया जाता था। मुझे न्यू बिगिनिंग इंग्लिश किताब दी गयी। उसको मैने एक ही दिन में पढ़ लिया। पूरे कोर्स के दौरान मुझे कोई संशय नही उत्पत्र हुआ। जब ब्रह्मा बाबा का चेहरा देखा तो मुझे वो चेहरा याद आ गया जिसको मैंने रोम में स्वप्न में देखा था। मुझे बहुत आश्चर्य हुआ कि क्या ये ही थे जो मेरे स्वप्न में आया करते थे। हॉ, यही थे। जापान में मैने एक ही मुरली सुनी क्योंकि मेरे ईटली जाने का समय आ गया था।

मुझे ईटली जाना था, तो पहले मैं रोम चली गयी। मैं पहले हॉगकॉग गयी। वहॉ सिस्टर मोरी थी। म

दो दिन वहॉ रही तो मुझे अलौकिक परिवार के अद्भुत अनुभव हुए। मुझे बहुत खुशी हुई कि मैं सही स्थान पर आयी हूँ। यही से मेरे जीवन का भाग्योदय हो गया। मेरा लोगो से यही संदेश है कि लोग ईश्वर को पहचाने, चाहे वह किसी भी धर्म या जाति या देश में हो। परमात्मा ईश्वरीय ज्ञान से नयी दुनिया बना रहा है।

बढ़ती जा रही गॉडलीवुड स्टूडियो की उपयोगिता

स्टूडियो वैसे तो हम हर अंक में ताजा तरीन सूचनाओं का आदान प्रदान करते रहते हैं। परन्तु समय प्रति समय का बदलाव और लोगों की मांग के अनुसार लगातार गॉडलीवुड स्टूडियो की उपयोगिता बढ़ती जा रही है। हम धीरे-धीरे वैश्विक होते जा रहे हैं। चाहे भारत हो या देश का कोई हिस्सा। हर जगह ब्रह्माकुमारीज संस्थान के ज्ञान और राजयोग ध्यान को दुनिया में प्रचारित और प्रसारित कर रहा है। आने वाले समय में हम जल्दी ही दुनिया के कोने कोने में मौजूद होंगे। हमारा दायरा धीरे धीरे चैनलों के माध्यम से लगातार वैश्विक होता जा रहा है। मुझे बेहद प्रसन्नता है कि हम लोगों की उम्मीदों पर लगातार खरा उतर रहे हैं। लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव हमेशा हमारा प्रयास है। इसी मकसद से परमात्मा ने यह स्टूडियो एक उपहार के रूप में दिया है। युग बदलाव के दौर में एक यह अहम पड़ाव है। जब हम परमात्मा के साथ सहयोगी बनकर उनके इस महायज्ञ में भागीदार है। हम सभी को अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाने का हक और अधिकार भी है। परमात्मा ने हमें जीवन दिया है उसे सार्थक तभी किया जा सकता है जब हमारे जीवन में मूल्यों की समावेशता हो। यही स्टूडियो का लक्ष्य भी है और परमात्मा का संदेश भी।

- बीके हरीलाल, कार्यकारी निदेशक, गॉडलीवुड स्टूडियो, मनमोहिनीवन काम्पलेक्स, शांतिवन, आबू रोड

हमारी लाइफ का रिमोट कंट्रोल हमेशा दूसरों को ही दे दिया है

मन-मस्तिष्क को नहीं बनाएं कूड़ादान

माइंड पावर

लेखक बीके शक्ति वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर, माइंड, मेमोरी स्प्रिचुअल ट्रेनर व मोटिवेशनल स्पीकर हैं।

आंज जो भी आप सोचते हैं आप वह फील करते हैं तो हमारे माइंड में इतनी जबरदस्त शक्ति है। कहते हैं कि जब हनुमान जी अपनी शक्तियों को भूल गए थे तब वह कुछ कर न पाए थे, परंतु जब उनको जामवंत जी ने उनकी शक्तियां याद दिलाई, उनको बताया कि आपके अंदर इतनी शक्तियां हैं तब वह अपनी पावर को याद करता है। तो इसी प्रकार परमात्मा मेडिटेशन के द्वारा हमें बता रहे हैं कि आपके अंदर बहुत शक्ति है और हम अपनी पावर को प्रयोग कर पाएंगे। हमारे पास जो सबसे बड़ी शक्ति है वह है माइंड पावर। हमारे पास दो पावर होती है। एक होती है कॉन्शियस माइंड और दूसरी सबकॉन्शियस माइंड। कॉन्शियस माइंड में 10 प्रतिशत पावर है और सबकॉन्शियस माइंड में 90 प्रतिशत पावर। कॉन्शियस माइंड में 10 प्रतिशत पावर होने के बावजूद वो बालिग है और सबकॉन्शियस माइंड मे 90 प्रतिशत पावर होने के बावजूद वह गुलाम है तो सबकॉन्शियस माइंड को आप जो भी कमांड देंगे वह कहेगा तथास्तु। आप जो भी कहेंगे चाहे वह नेगेटिव हो और चाहे वह पॉजिटिव हो। सपोज मेरे पास एक चिराग है। मैं चिराग को रगड़ता हुं तब यहां एक जिन्न प्रकट होगा और बोलेगा क्या हुकुम मेरे आका और कहेगा कि आप जो चाहेंगे मैं वही दे दूंगा, आपकी ख्वाहिश मेरा हुकुम है। हम नेगेटिव बोलेंगे या पॉजिटिव बोलेंगे वह दोनों करेगा। स्टूडेंट परिक्षा से अक्सर एक दिन पहले क्या करते हैं, वही थोट करते हैं जो वह नहीं चाहते हैं। कि मेरा एग्जाम बहुत मुश्किल ना आ जाए। तब अंदर वाला सब कॉन्शियस माइंड जागृत होता है जिन्न के रूप मेंऔर कहता है तथास्तु वही होगा जो आपने सोचा है। तो हम अक्सर वही करते हैं, वही सोचते हैं जो हम नहीं चाहते। तो जो हम सबकॉन्शियस माइंड को कमांड देंगे वही होगा। नेगेटिव देंगे तो नेगेटिव होगा पॉजिटिव देंगे तो पॉजिटिव होगा। जैसे आप अपने एक हाथ को अपने सिर के ऊपर रखिए और जब मैं पॉजिटिव सेंटेंन्स कहूं तब आप कहेंगे तथास्तु और अपने सिर को टच करेंगे परंतु जब मैं नेगेटिव सेंटेंन्स कहूं तब आप तथास्तु नहीं कहेंगे और सबकॉन्शियसली आपको उस चीज को फील करना है।

आप शक्तिशाली है।

अब आप तथास्तु बोलेंगे और अपने सिर को टच करेंगे.....

आप सब कुछ कर सकते हैं।

तथास्तु। आपका भविष्य उज्जवल है। तथास्तु। घर में सब सहयोगी है। तथास्तु। सब कुछ ठीक चल रहा है। तथास्तु। मेरा होगा क्या? अब आप इस कमांड को लेंगे क्योंकि यह नेगेटिव है। लेकिन अनकॉन्शियसली उस कमांड को ले लेते हैं कि ऐसा ना हो मुझे डायबिटीज हो जाए, ऐसा ना हो कि मैं बीमार हो जाऊं, ऐसा ना हो कि मेरा एक्सीडेंट हो जाए, जो जो कमांड हम सोचते हैं सबकॉन्शियस उसे एक्सेप्ट कर लेता है और उसको सच्चाई में ला देता है। पहले कहा जाता था कि बोलने से पहले सोचो और आज वह कहावत अप्रचलित हो चुकी है और आज कहते हैं सोचने से पहले भी सोचो क्योंकि आप जो सोच रहे हैं वह आपके भविष्य का निर्माण करता है। सोचने के पहले भी सोचना माइंड में इतनी जबरदस्त शक्ति है जो आप चाहेंगे वही होगा। जैसे कि अभी आपने देखा तो जो चाहेंगे हम असली में वह महसूस कर पाएंगे। जैसे कि आप अपने घर में सफाई करते हैं, झाड़ू लगाते हैं तब आप अपना कचरा कहां डालते हैं? कूड़ेदान में डालते हैं। हमें हमेशा यह ख्याल रखना है। हमें कूड़ेदान नहीं बनना क्योंकि भगवान ने हमें अमन बनाया है, चमन बनाया है, लेकिन कूड़ेदान नहीं बनाया है। जब हम नेगेटिव खबर को अपने अंदर डालते हैं कई लोग तो ऐसे होते हैं जो पूरे शहर की नेगेटिव खबर होती है। उसका पूरा कचरा अपने अंदर डालते हैं। मेंटल ब्लॉक क्रिएट करता है तब वह गंदगी के रुप में हमारे माइंड मे बीमारी क्रिएट करता है और फिर हमें सक्सेस नहीं होने देता। तो हमें क्लियर रूप में उसे कह देना है जो भी ऐसे लोग हैं कि आज के बाद मुझे कूड़ेदान नहीं बनना है। यदि हम कूड़ेदान बनते हैं तो जब हम मेडिटेशन करें या कोई भी पॉजिटिव के बारे में सोचेंगे या लाइफ में सक्सेस होना चाहते हैं तो जो नेगेटिव कूड़ा है वह हमारे माइंड को ब्लॉक करेगा और हमें सक्सेस नहीं होने देगा। दूसरी बात है कि हम ने हमारी लाइफ का रिमोट कंट्रोल हमेशा दूसरों को ही दे दिया जैसे पति ने पत्नी को दे दिया पत्नी ने पति को दे दिया। पति कहता है आपने बहुत अच्छी सब्जी बनाई है तो पत्नी का चेहरा खिल जाता है। और एक दिन कहता है कि क्या सब्जी बनाती हो नमक नहीं डालती, तो चेहरा डाउन हो जाता है। अब रिमोट कंट्रोल किधर है? दूसरे के हाथ में।

हम खुद बनें अपना रिमोट कंट्रोल

तो हमें अपना रिमोट कंट्रोल किसी के हाथ में नहीं देना है यदि आपने अपने अलावा रिमोट कंट्रोल किसी और के हाथ में दिया है तो आप जीवन में कभी खुश नहीं रह सकते। कठपुतली यदि एक है और उसको कण्ट्रोल करने वाले 10 हाथ हो तो उसकी हालत क्या होगी हालत क्या होगी। निश्चित तौर पर हमनें अपना रिमोट कंट्रोल मल्टीपल हैंड में देके रखा है। वह जैसा प्ले करते हैं यदि सैड का बटन दबातें हैं तो हम सैड हो जाते हैं खुशी का बटन दबाते हैं तो खुश हो जाते हैं। तो हम बात कर रहे हैं जिंदगी बने आसान। हमारी जिंदगी तब आसान बनेगी जब हम अपने आप का रिमोट कंट्रोल किसी के हाथ में ना दें न ही अपने आप को कभी कुडेदान बनने दें। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जो हमारा सुपरनेचुरल कंप्यूटर है अब हम उस में आएंगे कि हमने हार्डवेयर की बात कर ली, सॉफ्टवेयर की बात कर ली पर प्रोग्रामर कौन है? माइंड सॉफ्टवेयर है। ब्रेन ष्थ्ह्वहे वही सिस्टम को प्रोग्राम करता है। जहां पर हम तिलक लगाते हैं यहां पर बैठ कर आत्मा ही पूरे सिस्टम की प्रोग्रामिंग करती है तो सारा डाटा आत्मा के अंदर होता है। कभी भी आपने देखा है कि ब्रेन के अंदर कोई डेड बॉडी बर्न हो गई है और उसके बाद कहीं ब्रेन उठकर जा रहा है? नहीं। आत्मा के अंदर यह तीन पावर है सॉफ्टवेयर माइंड और मेमोरी स्टोर होता है यदि हम समझ जाए कि हम एक आत्मा है तो हम अपने 90 से 100 पावर को यूज कर पाएंगे और जब आप समझते हैं कि मैं एक शरीर हूं आप 10 पावर को यूज करते हैं।

तन-मन का विकास करता है वज्रासन

समस्त योगासनों में वज्रासन ही एक ऐसा आसन है, जिसे भोजन या नाश्ता करने के उपरांत तुरंत भी किया जा सकता है। स्वास्थ्य के लिए वज्रासन अभ्यास अति लाभदायक होता है। वज्रासन हर उम्र का व्यक्ति सरलता से कर सकता है। इस कल्याणकारी आसन को अंग्रेजी में Diamond Pose कहा जाता है। यह आसन दिन में किसी भी समय किया जा सकता है। वज्र का अर्थ कठोर/ मजबूत / प्रबल ऐसा होता है। शरीर में रक्त प्रवाह दुरुस्त करने और पाचनशक्ति बढ़ाने के लिए वज्रासन एक उत्तम आसन बताया गया है। प्रतिदिन वज्रासन करने से जांघें और घुटनें मजबूत बनते हैं। वज्रासन करने से कमर के निचले हिस्से से पैर तक के सारे स्नायुओं को कसरत मिलती है। तथा अधिक मात्रा में भोजन कर लेने के बाद होने वाली बेचैनी वज्रासन करने से दूर हो जाती है।

वज्रासन कैसे करें

- हर आसन की तरह वज्रासन करने से पहले भी किसी स्वच्छ, साफ और समतल जगह को चुन कर आसन (चटाई) बिछा कर सामान्य मुद्रा में बैठ जाना होता है।
- अब अपनें दोनों पैर सामनें की ओर फैला दें। अब अपने शरीर का वजन बाई ओर थोड़ा झुका कर अपनें दाएं पैर को घुटनें से मोड़ कर दाएं कूल्हे के नीचे लगा दें। और फिर उसी ओर अपने शरीर का वज़न ले जा कर अपनें दूसरे पैर (बाएं पैर) को भी घुटनें से मोड़ कर बाएं कूल्हे के नीचे लगा दें।
- ध्यान रहे की आप के दोनों पैरों के पंजे इस तरह मुड़े होने चाहिए की आप की तशरीफ़ उस के ऊपर आराम से रखी जा सके। पैरों की दोनों ऐड़ियों में इस प्रकार से अंतर होना चाहिए जिससे दोनों पैरों के अंगूठे एक दूसरे से छूने चाहिए।
- अब अपनें दोनों हाथों के पंजों को अपनें घुटनों पर लगा दें। दोनों हथेलियाँ घुटनों की ओर होनी चाहिए। वज्रासन में बैठ कर शरीर आड़ा-टेड़ा ना करें, शरीर को सीधा रखें।
- अच्छी तरह से वज्रासन जमा लेने के बाद अपनें शरीर को मुक्त कर लें (ह्य्रद्गद्ग-मुक्त करना यानी कमर को और कंधों को बेंड नहीं होने देना है, पर सीधे बैठे हुए ही फील करना है।)
- अब अपनें शरीर में गहरी सांस लें। ध्यान रहे क ी वज्रासन क र ते वक्त नाक से ही सांस लेनी है। मुह से सांस अंदर ना जाए, इसलिए बातें करते करते इस आसन को ना करें।

- अब अपनी आँखें बंद कर के वज्रासन का आनंद लें, और सामान्य गति से सांस लेते रहें और समयान्तर पर सांस बाहर छोड़ते रहें।
- शुरुआत में वज्रासन को करने पर पैरों के स्नायुओं में थोड़ा थोड़ा खिंचाव महसूस हो सकता है, पर कुछ दिनों के अभ्यास के बाद एक दम सहजता से यह आसन किया जा सकता है।
- तीन से पांच मिनट वज्रासन अभ्यास कर लेने के बाद जिस क्रम में आपनें अपनें घुटनें मोड़े थें उसी क्रम में उन्हे सीधा कर लीजिये। और सामान्य मुद्रा में बैठ जाएं।

वज्रासन की समय सीमा

वज्रासन सुबह मे खाली पेट भी किया जा सकता है और भोजन के बाद भी किया जा सकता है। शुरुआत मे वज्रासन तीन से पाँच मिनट तक करना चाहिए। अभ्यास बढ़ जाने पर इसे अधिक समय तक (दस मिनट तक)भी किया जा सकता है। (Note – पैर दुखने लगें या कमर दर्द होने लगे उतनी देर तक वज्रासन मे नहीं बैठना है)

वज्रासन के फायदे

- वज्रासन करने से शरीर का वज़न कम करने मे सहायता मिलती है। जांघों की चर्बी घट जाती है। नितंब और जांघों का आकार सुडौल और सुंदर बनता है। पेट और कमर से भी अधिक चर्बी कम हो जाती है। और पेट का भारी-पन दूर होता है।
- वज्रासन करने से पेट के मध्यभाग पर और आंतों पर हल्का दबाव पड़ता है, इसलिए यह आसन पेट के सभी रोगों से मुक्ति पानें के लिए उपयोगी होता है। इस आसन से कब्ज़, गैंस, खट्टी डकार, अपचन आदि समस्याएं दूर होती है।
- वज्रासन करने से पूरे शरीर मे रक्त प्रवाह बेहतर तरीके से होने लगता है। और वज्रासन के नित्य अभ्यास से Sciatica जैसे भयानक रोग से भी मुक्ति मिलती है।
- वज्रासन से उच्च रक्त चाप की समस्या दूर हो जाती है। पैरों की मासपेशियाँ सशक्त बनती हैं। और वज्रासन के दौरान सामान्य गति से लंबी गहरी सांसें लेने से फेफड़ों को भी लाभ होता है।
- अधिक चरबी और पेट की गैस की वजह से अगर किसी व्यक्ति की तौंद बाहर निकल आई हों, तो ऐसे व्यक्ति के नित्य वज्रासन करने से कुछ ही दिनों मे पेट अंदर होने लगता है। इस आसन के प्रयोग से एक सप्ताह मे एक इंच तक पेट कम हो सकता है।
- एकाग्रता शक्ति बढ़ाने के लिए और मन की चंचलता दूर करने के लिए वज्रासन उपयोगी होता है। इस आसन को करने से मानसिक तनाव भी दूर होता है।
- कभी कभी पसंदीदा भोजन अधिक मात्रा मे खा लेनें की वजह से ह्रदय के नीचे और पेट के ऊपर दबाव महसूस होता है, इस समस्या को दूर करने के लिए तीन से पाँच मिनट वज्रासन पर बैठना चाहिए।

श्रेष्ठ ब्राह्मण माना स्वच्छ, जो स्वच्छ और शुद्ध है वही सच्चा सेवाधारी है

आत्म स्थिति में रहने वाले बाबा के बच्चे समझते हैं, इसमें धारणा का बड़ा कनेक्शन है। आत्म स्थिति में रहने के लिए अन्दर वृत्ति शुद्ध हो और धारणायुक्त बनने की लगन हो, उसमें सेवा समाई हुई है। कोई कदम नहीं है जो सेवा न हो । सेवा माना ज्ञान देना ही नहीं, लेकिन जिसकी सेवा पर हूँ, वह सेवा से दिखाई दे। ईश्वरीय सन्तान हूँ, ईश्वरीय कार्य के लिए निमित्त भाग्य मिला है।

अच्छी स्थिति बनाने के लिए गम्भीर और हर्षित रहो। गम्भीरता और हर्षित रहने का आपस में कनेक्शन हैं। जिसमें गम्भीरता कम है वह सदा हर्षित नहीं रह सकता। गम्भीरता में ज्ञान, योग, धारण, बाबा से गहरा संबंध सब समाये हुए हैं। जितना ज्ञान धारण में आता हैं, ज्ञान का नशा चढ़ता हैं, वह भी हमको गम्भीर बनाता है। कोई गम्भीर होते तो बात कम करेंगे, रूखे सूखे हो जाते। ज्ञान योग धारणा से गम्भीर बनने से हर्षित बन जाते, वह अपने हर्षित रहने से अनेक आत्माओं को बाबा के समीप ला सकते हैं। गम्भीता से सरलता आ जाती हैं। वाणी भी मीठी लगती हैं। ऐसे नहीं हमारी आवाज पर कोई खींच जावे लेकिन उसमें समझ हो, ज्ञान हो, अन्दर याद का रस भरा हुआ हो तो वह वाणी प्यारी लगती है। ऐसी वाणी तब बनेगी जब गम्भीर रहेंगे। हर्षित क्यों रहते? क्योंकि बहुत कुछ गुह्य ज्ञान मिला है, हम आत्मा को जितना सिमरण करते हैं उतना निश्चय मजबूत होता है और नशा रहता है। निश्चय और नशे वाला हर्षित रह सकता है।

मैं परमात्मा का बच्चा हूं

बाबा ने कहा शुद्ध घमण्ड रहे। इसमें नशा भी है, निश्चय भी है। जो पाया है उससे भरपूर हैं। जैसे धर्म पिताओं को सामने रखो। क्राइस्ट, बुद्ध या गुरूनानाक को सामने रखो। क्राइस्ट निमित्त तब बना जब समझा मैं परमात्मा का बच्चा हूँ, तभी धर्म स्थापन करने की शक्ति आई। नीचे आया हूँ धर्म स्थापन करने। तो जब ईश्वर का बच्चा समझते तब धर्म स्थापन करने की शक्ति आती है। बाबा ने सत धर्म स्थापन करने के लिए हमें अपना साथी बनाया है।

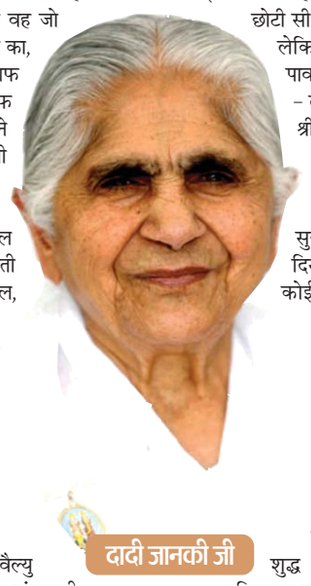

दादी जानकी जी

श्रेष्ठ ब्राह्मण वह जो स्वच्छ हो। मन का, दिल का साफ हो। इतना साफ हो जो अपने आपको साक्षी होकर अन्दर से देखे, कोई हमारे अन्दर मैल न हो। एक होती है थोड़ी सी मैल, वह साफ करते हैं। दूसरी जंक चढ़ जाती है। जब कोई चीज को जंक लग जाती तो वैल्यु कम हो जाती है। जंक चढ़ी हुई चीज को यूज करना मुश्किल। वह चीज निकम्मी हो जायेगी। मैल उतर सकती है, जंक चढ़ी तो उतरना बहुत मुश्किल है। तो कोई भी भूल हो जाती है, कोई श्रीमत के विरूद्ध काम हुआ तो जंक चढ़ गई, क्वालिटी कम हो गई। वैल्यु कम हो गई। उसे ज्यादा यूज करने में खतरा लगेगा। जब बिल्कुल साफ हो जाए तब है बात।

आत्मा को बनाओ पवित्र

तो जैसे बाबा कहता -जंक चढ़ी हुई सुई भी कोई काम की नहीं होती । डाक्टर लोग इंजेशन लगाते समय कितना ध्यान देते हैं। एक की यूज की हुई दूसरे को लगायें तो भी नुकसान हो सकता। है तो सुई लेकिन कितना ध्यान रहता। जरा सा जंक चढ़ी हुई कोई काम की नहीं। आत्मा है इतनी छोटी सी, पहले पतित थी। लेकिन जब पतित-पावन के हाथ में आई - तो वह ज्ञान योग से श्रीमत देकर पावन बना देता, साफ कर देता।

अगर कोई ज्ञान सुना रहा है, जीवन में दिखाई नहीं पड़ता तो कोई मानता नहीं। दूसरों को वायब्रेशन नहीं आते। इसके लिए बुद्धि बड़ी शुद्ध चाहिए तब युक्तियुक्त समझा सकेंगे। बुद्धि शुद्ध होगी, धारणा अच्छी होगी, तो श्रीमत को पालन कर सकेंगे। श्रीमत को वही पालन कर सकते जो जानते हैं बाप कैसे इन द्वारा पढ़ा रहा है।

निश्चय होना चाहिए दृढ़

अन्तर्मुखता से गम्भीरता आती है। अन्तर्मुखता से ज्ञान को मनन-चिंतन करने का टाइम मिल जाता है। बाहरमुखता में जो रहता है उसको ज्ञान का मनन चिंतन करना नहीं आता। जो मनन चिंतन करके शक्ति जमा नहीं करता उसमें निश्चय का वह बल और नशा कायम नही रहता। निश्चय और नशा मस्ती चढ़ा देता है। निश्चय से जो बात निकलती है, दूसरे समझते हैं यह जो कह रहे हैं सच कह रहे हैं। कभी ऐसे नहीं कहेगा कि इनकी बात समझ में नहीं आती। अगर नहीं आती है माना वह ठीक नहीं समझा रहा है। कभी कोई यह न कहे कि समझ में नहीं आता है। अगर बोलते रहेंगे, उसको देखेंगे नहीं तो समझ में नहीं है। माना वह ठीक नहीं समझा रहा है। कभी कोई यह न कहे कि समझ में नहीं आता है। अगर बोलते रहेंगे, उसको देखेंगे नहीं तो समझ में नहीं आयेगा। हम देखेंगे कि समझते समझते इसकी बुद्धि शुद्ध हो रही है। भावना है इस आत्मा को कुछ मिले। बहुत आत्मायें हों, एक हो या दस हों, कुछ इनको मिले यह भावना है। बाबा की शिक्षायें हमारे जीवन में ऐसी हो जो किसको सीखने की भावना पैदा हो जाए। उन्हें लगे कि बरोबर योग सहज है। यह सीखने के योग्य है।

ब्रह्मा हमारी मां है

अभी हम लोगों को नशा है कि हम ब्रह्माकुमारी हैं, यह कम नशा नहीं है। क्रिश्चियन्स में मेरी का इतना मान है। कुमारी के नाम से, समझें कि हम ब्रह्मा के मुख द्वारा पैदा हुए हैं। ब्रह्माकुमारी कहलाना भी आजकल कोई बड़ी बात नहीं है क्योंकि नम्बरवार हो गये हैं। अपने पार्ट का कईयों को पता ही नहीं है। यह नशा रहे कि मैं ब्रह्माकुमार कुमारी हैं, बाहर की बातों से आंख बंद करके फिर खोल कर देखा, ब्रह्मा हमारी माँ है। अगर यह नशा नहीं रहता तो जरूर बुद्धि शुद्ध नहीं है। पहली वाली मैल अन्दर से साफ नहीं की है। अन्दर बैठकर मैल को इतना साफ कर दो जो आइने से अपने आपको देख सको। दिखाई पड़े बाकी अभी यह मैल है। और तुरन्त साफ कर दो।

हमारी सोच और प्रतिक्रिया हमारा अपना चुनाव है, यही स्वतंत्रता है

हर परिस्थिति में हो समान भाव

आभूषण जैसे भौतिक वस्तु में कोई विचार या भावनाएं नहीं होतीं। आपने देखा और मन में भाव पैदा हुआ -मैंने कितना सुंदर आभूषण लिया। दस मिनट बाद, कोई कहे कि वह आप पर जंच नहीं रहा या कहे कि नकली है, तो क्या होगा? अब प्रतिक्रिया कौन पैदा कर रहा है? प्रतिक्रिया वस्तु के कारण थी, तो अब भी वही प्रतिक्रिया होनी चाहिए। इसके बाद, अगर आप अन्य लोगों को आभूषण दिखाते हैं तो क्या सबके मन में उसके लिए वही भड़कीला है, मैं तो नहीं पहन सकती, मुझे तो बिलकुल पंसद नहीं आया, कोई दूसरी कह सकती है-मुझे गहने पसंद नहीं । यह सब बातें सेट को देखकर सोची जा सकती हैं ।

सुरेश ओबेरॉय : किसी भी वस्तु के लिए मेरी प्रतिक्रिया मेरा अपना चुनाव है। जी, यह आपकी अपनी सोच है।

सिस्टर शिवानीः मैं प्रतिक्रिया दे रहा हुँ, इसका अर्थ है कि मैं कुछ रच रहा हुँ। मैं प्रसन्नता या अप्रसन्नता में से कोई एक चीज रच रहा हुँ।

सिस्टर शिवानीः हम आभूषणों के उसी एक सेट के साथ आनंद, ईर्ष्या, ठेस आदि विचारों को जन्म दे सकते हैं। वस्तु वो ही है। अगर उस वस्तु के कारण भाव पैदा होते, तो सबके मन में एक भाव पैदा होना चाहीए था। अगर कोई वस्तु-भले ही वह कोई कार हो या गहने या फिर कोई प्यारा सा बगीचा -अगर उसके कारण भाव पैदा होते है तो हर व्यक्ति के भीतर एक समान भाव पैदा होना चाहीए। जरा इस हरियाली को देखिए। आप सोच सकते है कि प्रकृति के साथ रहना कितना भला लगता है, जबकि दूसरा व्यक्ति बड़ी आसानी से उसे नजरअंदाज कर आगे बढ़ सकता हैं। प्रतिक्रिया सर्जक का चुनाव है और हम सर्जक हैं।

सुरेश ओबेरॉयः मैं ही सृजन करता हूँ और मैं ही प्रसन्नता या अप्रन्नता को पैदा कर रहा हूँ। सिस्टर शिवानी, आपकी इसी बात से मुझे अपने बहुत से प्रश्नो के उत्तर मिल गए, परंतु यह बताएँ कि व्यक्ति किसी भाव के बिना क्या कर सकता है?

सिस्टर शिवानीः जब आप यह समझ लेते हैं कि इस सोच को आपने ही जन्म दिया है, तो सब कुछ बदल जाता है। दरअसल, हम नहीं जानते कि हम ही उन विचारों के जन्मदाता हैं और यह मानने लगते हैं कि वे हमें कहीं बाहर से मिल रहे हैं। मान लेते हैं, आपने मुझसे कुछ ऐसा कह दिया, जो मुझे थोड़ा अभद्र लगा और मुझे दुःख हुआ। मैं यह नहीं जानती कि यह दुःख का भाव मैं खुद ही उत्पन्न कर रही हुँ। मैं आनसे बड़े आराम से कहती हुँ-आपने मुझे दुःखी किया। फिर मैं कहती हुँ कि आपको मुझसे अच्छे से बात करनी चाहीए ताकि मुझे बेहतर महसुस हो सके। बेहतर होगा कि आप मुझसे क्षमा माँगें क्योंकि जब आप मुझसे क्षमा माँग लेंगे तो मुझे बेहतर महसूस होगा यही निर्भरता है।

सुरेश ओबेरॉयः फिर वह व्यक्ति कहेगा कि यह मतलब तो नहीं था।

सिस्टर शिवानीः पर आपने मुझे दुःखी किया। हम इसी तरह बात को बढ़ा सकते है... आपकी वजह से मैं दुःखी हुँ। आपकी वजह से मैं नाराज हुँ। आपकी वजह से मैं उदास हुँ। आपके कारण मैं खुश हूं।

सुरेश ओबेरॉयः अगर सब कुछ मेरे आस-पास के लोगें के कारण ही हो रहा है तो इसका मतलब है कि मैं अपनी जिम्मेवारी नहीं ले रहा।

सिस्टर शिवानीः बिलकुल , न कोई जिम्मेवारी और न कोई नियंत्रण। अगर हम हमेशा ही किसी बाहरी वस्तु पर आश्रित हैं, तो सही मायनों में हम कितने असहाय हैं।

सुरेश ओबेरॉयः क्या यह वास्तव में दुर्बलता नहीं है?

सिस्टर शिवानीः परंतु क्या हम सब अपना जीवन इसी तरह नहीं जी रहे? जिस क्षण हम जान जाते हैं कि यह सब एक भ्रम है, हम कोई वस्तु या व्यक्ति के नियंत्रण में नही हैं, हम उन पर निर्भर नहीं हैं, हमारी सोच और प्रतिक्रिया हमारा अपना चुनाव है। यही स्वतंत्रता है। आध्यात्मिकता हमें सबसे पहले, इसी स्वतंत्रता का उपहार देती है। यह हमें मुक्त कर देती है। हम सारी निर्भरता से मुक्त हो जाते हैं, हम जिस भी वस्तु पर अपनी प्रसन्नता को निर्भर मानते थे, उसके कारण हम आपनी प्रसन्नता को स्थगित कर देते थे।

सुरेश ओबेरॉय : इस बात को समझना बहुत कठिन है कि जो मैं चाहता हूँ, उसे पाए बिना मुझे खुशी कैसे मिल सकती हैं?

सिस्टर शिवानी : हमने वस्तुओं की बात तो की परंतु उपलब्धियों के लिए क्या कहेंगे? हम निश्चित लक्ष्य तक जाना चाहते हैं परंतु वहाँ नहीं पहुँच सके तो ऐसे खुश कैसे महसुस करेंगे? हम इसी मान्यता के साथ बड़े हुए हैं कि जो लोग अपना मनचाहा पा लेंगे, वही प्रसन्न हो सकते हैं। जब हम बच्चे थे, तो हमें यही सिखाया गया। आपने सोचा कि आपकी प्रसन्नता नौकरी के मिलने पर निर्भर करती है। आपको लगा कि यह एक सामान्य बात थी इसलिए यह प्रतिक्रिया भी सामान्य लगी। चिंता करना समान्य बात है परंतु प्रसन्न होना... वह हमें सामान्य बात नहीं लगती। समस्याएँ सामने आएँगीं, चुनौतियाँ भी आपके सम्मुख होगी, परंतु आप उन्हें देख कर निराश होंगे या उनका सामना करेंगे... यह चुनाव आप पर ही निर्भर करता है। क्योंकि बाकि सब कुछ तो बाहर ही है।

(क्रमशः)

गुरू के प्रति अनन्य श्रद्धा

रियल लाइफ

उन दिनों दादा की अपनी गुरू में भावना भी बहुत थी। एक बार गुरू अपनी बहुत बड़ी शिष्य- मण्डली लेकर यहाँ आए। दादा ने बहुत ही आदर से उनका स्वागत किया। उनमें गुरू भाक्ति इतनी थी कि उन्होंने गुलाब जल की बोतलों की कई पेटियाँ मँगवाई। प्रातः और सायं दोनो काल गुरू के शौच-गृह में जाने से पहले वहाँ खूब गुलाब-जल छिड़क जाता। दादा अपने ही हाथ से वहाँ एक बोतल गुलाब-जल छिड़काकर आते और अगरबत्ती भी जगा आते।

उन्हें गुरू के आराम का भी बहुत ध्यान रहता। कहीं आवारा कुत्ते की आवाज गुरू के आराम या एकान्त में खलल न डाले, विशेषकर इस खयाल से वे एक पहरेदार रखते। आम का मौसम न होने के कारण बाजार में चार रुपये का एक आम मिलता तो भी वे गुरू के लिए ले आते।

वे गुरू की हर आज्ञा को हर हालत में शिरोधार्य मानते थे। एक बार की बात है कि दादा के पोते का नामकरण संस्कार होना था। सायंकाल सब बड़े-बड़े व्यक्तियों का भोज था। अचानक ही गुरू का तार आया कि तुरन्त आओ। दादा ने जसोदा जी दादा की लौकिक पत्नी को कहा कि तुरन्त कपड़े निकालो और ड्राइवर को बुलाओ क्योंकि मुझे जाना है। जसोदा दी बोलीं- इस अवसर पर कैसे जा सकोगें। दादा बोले - सुनो, गुरू का बुलावा गोया काल का बुलावा है। काल आये तो क्या हम उसे ऐसा कहकर रोक सकते हैं कि आज हमारे पोते का नामकरण है। दादा इतना कहकर अन्दर चले गये। अब हम क्या करते। उसी समय सभी मित्रों को फोन करके बताया कि दादा को किसी कारण से बाहर जाना पड़ गया है। दादा को गुरू ने इसलिए बुलाया था कि दस हजार रुपये चाहिएँ थे क्योंकि उनके किसी शिष्य को सट्टे में घाटा पड़ गया था।

भक्ति की पराकाष्ठा

दादा में भक्ति के संस्कार इतने पक्के थे कि चाहे कैसा भी अवसर क्यों न हो, उनके कर्मो में भक्ति की झलक स्पष्ट दिखाई देती थी। उन्होंने जब अपनी लौकिक पुत्रियों तथा भतीजी का विवाह कराया तो उन्हें दहेज में हीरे, सोना तथा लाखों का सामान देने के अतिरिक्त श्रीमद्भगवगीता तथा चाँदी का एक सुन्दर मन्दिर भी विशेष सौगात के रूप में दिया ताकि वर और वधू के जीवन में भी भक्ति-भावना बनी रहे। वे शादी के अवसर पर भी अपने लौकिक गुरू को आमन्त्रित कर लिया करते थे और शादी को भी एक सत्संग का-सा रूप दे देते थे। .....क्रमशः

कहीं नहीं देखी ऐसी सादगी

ब्रहमाकुमारी मनोहरइन्द्रा जी, जो ज्ञान सरोवर की इंचार्ज थीं, बोधराज के साथ दादा की पुत्री के विवाह के प्रसंग को कहती थीं- मैंने दादा जी और उनके लौकिक परिवार को कई बार देखा। दादाजी का एक मकान, मेरे मकान के पास ही था। एक लौकिक पुत्र, जिसका नाम नारायण है, मेरे लौकिक भाई के साथ पढ़ाता था। अपनी लौकिक पुत्री पुटटु का विवाह जब बाधराज से हुआ था, तब मैंने उसे अपनी आँखों से देखा था। विवाह की यह विशेषता थी कि शोर, कोलाहल, स्थूलमा या घोर सांसारिकता देखने में नहीं आती थी। जैसे कलियुग में किसी देवी और देवता का विवाह हो रहा हो। मुझे दादा के कुटुम्ब का सात्विक वातावरण बहुत भाता था। इस प्रकार का जीवन था दादा का। कोलकाता में उनकी हीरों की दुकान थी और मुम्बई में भी वे जवाहरात के व्यापार के सिलसिले में आते-जाते थे। कोलकाता और मुम्बई के अतिरिक्त उनका एक मकान हैदराबाद में भी था जहां पर वे बहुत समय से रहते थे।

क्या हम जैसा सोचते है वैसा होने लगता हैं?

समस्या-समाधान

प्रश्नः क्या लौकिक जन्मदिन मनाना चाहिए या सिर्फ अलौकिक? क्योंकि कई बार हम परमात्म महावाक्य मे सुनते है कि लौकिक जन्मदिन नहीं मनाना चाहिए।

उत्तरः अगर इससे कोई सेवा होती और इसमें हमें और दूसरों को खुशी होती है तो इसमें कोई प्रोब्लम नहीं है, हम सेवा अर्थ मान लो मैं अपना लौकिक जन्मदिन अलौकिक ढंग से बहनों को बुलाये अपने रिलेटिव को बुलाये कुछ अच्छा प्रोग्राम कर लें जिससे उन को ईश्वरीय संदेश मिले जिससे जीवन जीने के कुछ अच्छी बात मिले, तनाव मुक्त होने के लिए कोई विधी मिले। मान लो हमने पचास लोगों को बुला लिया है और खुशी का माहौल है और सब ये अवश्य कहेगें कि ये देखो ब्रर्थ-डे मनाना हो तो ऐसा मनाना चाहिए। करते है कई लोग ऐसा, और अलौकिक तो मनाना ही चाहिए। उसमें भी यही विधी अपनानी चाहिए। इसका अर्थ ये बिल्कुल नहीं कि हमको दिखावे के लिए या इगो-देहभान कि बात है ये नहीं। सेवा जहां हमारा मोटिंव है कि जो सबको कुछ मिले हम से। ब्रर्थ-डे तो हमारा है लेकिन सब हमारे ब्रर्थ-डे पर कुछ अच्छी चीज लेके यहाँ से जायें । वो गिफ्ट लेकर आयेगें हम उनको ऐसी गिफ्ट दे दे सुन्दर विचारों की और सुन्दर ज्ञान कि तो इसमें कोई हर्जा नहीं है।

प्रश्नः मैं अपने मैंनेजर से बहुत परेशान हूँ। मैं बहुत कोशिश करता हूँ कि मैं अच्छे-से-अच्छे कार्य करके दूँ लेकिन फिर भी वो संतुष्ट नहीं होते है और मेरे प्रमोशन में भी बाधा पैदा करते है। कैसे मैं उन्हें संतुष्ट करू? या फिर अपनी नौकरी ही बदल दूँ।

उत्तरः गुस्सा आता है मनुष्य को, बदले कि भावना आती है नेचुरली। हर आदमी आगे बढ़ने कि सोचते है और जो जहाँ भी कार्यरत है वहाँ भी माहौल अच्छा हो वो खुशी से जाये और कार्य पुर्ण करके खुशी से और एक संतुष्टता के साथ घर वापस आये। हर व्यक्ति कि यही अभिलाषा होती है लेकिन कई अधिकारी ऐसे होते है कि ऐसा गलत व्यवहार कर देते है कि अचछा काम करनेवाला व्यक्ति भी जब घर पर जा रहा होता है तो टेंशन और असंतोष साथ ले कर जा रहा होता है।

मैं सभी अधिकारीयों से कहूँगा कि सभी अधिकारी अपने सभी साथीयों को अपना परिवार समझे और अपने बच्चे समझे तब वो आपके लिए डबल काम करेगें। और आप तो उनकी समस्याओं को हल करने वाले हो, तो आप के लिए वों आप को समस्या देगें नहीं प्यार से कार्य लेना चाहिए। अब इनको जो कुछ करना है वहीं विधी जिसकी हम चर्चा कर रहे थे कि सबेरे उठकर, इसमें क्या होता है कि वो मैंनेजर अवश्य अपने घर से परेशान होगा और अपनी बीबी से लड़ाई करके आता होगा। किसी को टेंशन उसके उपर वाले कि उसके उपर वालों से भी होती है, तो मनुष्य अपने टेंशन को टांन्सफर कर लिया करता है। उसको जनरल मैनेजर ने डॉटा होगा वो चिंता थी वो उसपर उतार देता तो ये चलता है दुनिया मे ऐसा ही हो रहा है तो इसको क्या करना चाहिए? देखिये उनको जॉब छोड़ने कि जरूरत नहीं है। इससे तो कठनाई हो जाती है इमोसिंनलि होकर जल्दबाजी मे अपने कार्य को ऐसे छोड़ नहीं देना चाहिए। मनुष्य को समस्या को फेंस करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

एक तो बिलकुल हल्के हो जाये, ये जान गये न उसका ये संस्कार है। समझ ले इसी में मुझे जीना है इसको मुझे ठीक करना और अपने को तनाव से मुक्त रहना है। परेशानियों को अपने अन्दर नही डालना है न किसी तरह कि निगेटिविटी उस व्यक्ति के लिए रखना है। तो सबेरे उठकर सात बार ये संकल्प करेगें मैं मास्टर सर्व शक्ति वान हूँ फिर उस व्यक्ति को आत्मा देखेगें और आत्मा देखकर पाँच- सात मिनट गुड वायब्रेशन देगें योग के, मेडिटेशन के और संकल्प करेगें ये आत्मा बहुत अच्छी है, ये एक महान आत्मा है, ये भी भगवान का बच्चा है ये मेरा अच्छा मित्र है और मेरा सहयोगी है, आज ये व्यक्ति मेरे से बहुत सुन्दर व्यवहार करेंगा। पाँच-सात मिनट इसमें लगा दे उसको गुड वायब्रेशन जायेगें और मुझे पुर्ण विश्वास है यदि अपनी निगेटिविटी को खत्म करेंगे तो पहले दिन से इसका परिणाम मिलेगा। इसके लिए परमात्मा को हमेशा साथ रखना जरूरी है। इससे ही जीवन में बेहतर बदलाव आयेगा। जीवन का यही लक्ष्य है।

यह चर्चा गॉडलीवुड स्टूडियो द्वारा पीस ऑफ माइंड चैनल पर चलाये जा रहे समाधान एपिसोड से है। लोगों की मांग पर यह प्रकाशित किया जा रहा है। राजयोगी बीके सूरज एक वरिष्ठ राजयोगी है जिससे हजारों लाखों लोगों की जिन्दगी में सकारात्मक बदलाव आया है।

पत्र व्यवहार का पता : समस्या समाधान, शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन आबू रोड, राजस्थान, जिला सिरोही फोन : 9414172596 shivamantran@bkivv.org

राजयोग का आधार, विधि एवं विभिन्न अवस्थाएं

राजयोग भारत का सबसे प्राचीन योग माना गया है। योग शब्द सुनते ही मनुष्य के मन में शारीरिक या कोई आसन आदि क्रियाएँ करने का भाव उत्पन्न होता है। परन्तु योग शारीरिक क्रियाओं पर अवलम्बित नहीं है, क्योकि जब भगवान ने अर्जुन को श्रीमद्भगवद् गीता में योग का उपदेश दिया तो कहीं पर भी आसन नहीं सिखाया। लेकिन बार-बार उसे मन को ईश्वर में एकाग्र करने की प्रेरणा दी। व्यक्ति को भटकाने वाली कर्मेन्द्रियाँ ही होती है। इसीलिये कर्मेन्द्रियों पर नियंत्रण रखने के लिए योग का विशेष महत्व है। राजयोग स्वयं को सुसंस्कार करने का विज्ञान है। जहाँ हम अपनी कर्मेन्द्रियों को अनुशासित करते है। साथ ही राजयोग व्यक्ति को सकारात्मक जीवन जीने की सुन्दर कला सिखाता है। जहाँ हमें मन को मारना नहीं है, लेकिन मन को सही दिशा देकर मन को मित्र बनाना है। जिसके लिए ही कहा जाता है कि मन जीते जगत जीत। राजयोग ही आत्मा की अंतर्निहित योग्यताओं का पूर्ण विकास करता है।

बीके उषा, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका, माउंट आबू

राजयोग सर्वश्रेष्ठ है। सर्व योग इसी में समाये हुए है।

इसी योग को ज्ञान योग भी कहा जाता है क्योंकि योग या ध्यान का आधार ज्ञान है। ज्ञान बिना ध्यान नही। जब आत्मा, परमात्मा का वास्तविक ज्ञान हो तभी ध्यान संभव है। इसी योग को कर्मयोग भी कहा जाता है क्योकिं यह योग अभ्यास करने लिए हमें कोई कर्म, जिम्मेदारियाँ या कर्तव्य को छोड़ने की आवश्यकता नही हैं। लेकिन इस योग से कर्म में कुशलता आती है। इसी योग को संन्यास योग भी कहा जाता है, जहाँ हमें अपनी नकारात्मकता, बुरी आदतें, बुरी वृति या बुरे संस्कारों का त्याग करना है। जो मन को विचलित करते है और मन की एकाग्रता में विघ्न रूप बनते है। इसी योग को भक्ति योग भी कहा जाता है क्योकि भक्ति माना परमात्मा के प्रति अनन्य प्रेम भाव। राजयोग में परमात्मा में मन को सहज एकाग्र करने के लिए अनन्य प्रेम भाव होगा तभी ध्यान यथार्थ होगा और सहज ही मन्मनाभव हो सकेंगे। इसी योग को बुद्धियोग भी कहा जाता है क्योंकि मन को सुसंस्कृत करने के लिए बुद्धि की लगाम को अंकुश में लेना जरूरी है। इस योग को **समत्व योग** भी कहा जाता है जहाँ हम मन बुद्धि के संतुलन से अपने जीवन में संतुलन ला सकते हैं और हर कर्म करते सहज ही स्थित प्रज्ञ स्थिती को प्राप्त कर सकतें हैं।

इसी योग को **हठयोग** भी कहा जाता है जहाँ हम हठ यानि दृढ़ता सम्पन्न अभ्यास कर सकते हैं। कहने का भाव यह है कि संकल्प में दृढ़ता लाकर कोई भी कार्य में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इसी प्रकार यह योग सभी योगों में श्रेष्ठ एवं राजा है। राजयोग करने से सर्व योग सहज कर सकते है। राजयोग द्वारा अनुभूति करने के लिये मुख्य आधार कौन से है और उसकी विधि क्या है? किसी भी साधना के लिए तीन बातें आवश्यक है, साधक, साध्य, और साधन। साधक हम स्वंय है, साध्य परमात्मा है और साधन है मन। राजयोग मन की आध्यात्मिक यात्रा है। मन की स्वाभाविक प्रकृति है कि घूमना अच्छा लगता है, कभी विचारों में चक्कर लगाता, कभी दुनिया के किसी कोने में बैठे व्यक्ति के पास पहुंच जाता है। मन के लिए समय या स्थान बंधन नही बन सकता। मन की इसी प्रवृत्ति को हम राजयोग मे परमात्मा के ध्यान के लिए परिवर्तित कर लेते है और मन को एक रूहानी यात्रा पर, परमात्मा के सान्निध्य में ले जा सकते है। क्रमश..

दादा की भक्ति भावना

दादा की भक्ति भावना का परिचय इस बात से भी मिलता है कि लखपति होते हुए तथा लौकिक दृष्टि से एक प्रसिद्ध कृपलानी कुल के होते हुए भी उन्होंने अपनी एक पुत्री, जिसे वे प्यार से पुटे नाम से याद करते थे, का विवाह बोधराज नामक एक ऐसे व्यक्ति से किया जो कि स्कूल में मुख्याध्यापक थे परन्तु एक साधारण परिवार के थे। दादा की पुत्री सुशील थी, शोभनीय थी परन्तु दादा ने उसका विवाह किसी धनाढय् कुल के युवक से न करके बोधराज से इस कारण किया कि बोधराज धर्म-प्रिय थे। वे चिदाकाशी मठ में अपनी लगन के लिए विशेष रूप से योगीराज नाम से भी प्रसिद्ध थे। अतः दादा ने अपने परिवार में भक्ति का वातावरण बनाये रखने के लिए यह कदम उठाया था। हालाँकि उनके इस कार्य से उनके कुल में बहुत ही हलचल पैदा हुई और बहुत-से लोंगों में यह एक चर्चा का विषय बन गया कि दादा ने अपने ही उच्च कुल को छोड़कर बाहर के एक साधु-तुल्य व्यक्ति के साथ अपनी पुत्री की शादी क्यों की? दादा की पत्नी तो श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त थी ही, उनकी बहू में भी भक्ति के बहुत पक्के संस्कार थे बल्कि उनके जीवन से एक नितान्त भद्र, सुशील एवं धर्म-प्रिय व्यक्ति की भासना आती थीं।

मृत्यु का भय

एक व्यक्ति किसी पहुचे संत के पास गया और उनसे पुछा महाराज, क्या मेरा जीवन आपके जीवन की तरह निष्काम और पवित्र हो सकता है? यदि हो सकता है तो कैसे और नही हो सकता तो क्यों ? संत ने कहा तुम्हारे प्रश्न का उत्तर फिर कभी देगें परन्तु यह क्या तुम्हारे ललाट की रेखाओं के अनुसार तो एक सप्ताह बाद तुम्हारी मृत्यु का योग है! सुनकर वह व्यक्ति सन्न रह गया। मृत्यु का भय उस पर इस कदर चढा कि वह खाना-पीना व अपना कारोबार सब छोड-छाडकर एक कमरे मे चुपचाप बैठ गया और खुद पर मंडरा रही मृत्यु का एक-एक पल गिनने लगा। उसका सारा जीवन स्वार्थ-सिद्धि के लिए छल -कपट पैसा जुटाने मे बीत गया ! उसने निश्चय किया कि कम से कम इस बचे हुए समय मे ऐसा कुछ किया जाए जिससे लोगों की भावनाओं को ठेंस न पहुंचे वह अपने पापों को क्षमा मांगते हुए नित्य भगवान का भजन करने लगा और वहॉ से गुजरने वालों को धन व वस्त्रों का दान करने लगा सातवें दिन संत ने उससे पुछा इन दिनो तुमने कैसे दिन बिताया,और क्या-क्या पाप किए ? उसने कहा, आप पाप की बात करते है मुझे तो हर पल मृत्यु ही दिखाई देती रही, हर पल भगवान याद आते रहे कोशिश की कि किसी को कोई कष्ट न हो संत मुस्कुराते हुए बोले बस यही तुम्हारे प्रश्न का उत्तर है जो लोग मृत्यु को याद रखते है और समझ लेते कि यह कभी भी कही भी आ सकती है वे पाप कर्मो से बचकर परमात्मा के निकट बने रहते है।

एकाग्रता ही सफलता की चाबी

कहानी

वीर बहादुर एक सर्कस मे काम करता था। वह खतरनाक शेर को भी कुछ समय के लिए पालतू बना लेता था! एक दिन सर्कस में एक नौजवान आया ! वह जानवरों के हाव-भाव और हरकतो के बारे मे जांच पडताल कर रहा था। उसने बीर बहादुर से कहा आपका बहुत नाम सुना है खतरनाक शेर को भी पालतू कैसे बना लेते है आप? बीर बहादुर ने मुस्कराते हुए कहा, देखो यह कोई राज नही है। तुम बडे सही मौके पर आए हो। आज ही मुझे एक खतरनाक शेर को पालतू बनाना है यह कई लोगो को अपना शिकार बना चुका है। तुम मेरे साथ चलना और देखना कि मै कैसे यह काम कैसे करता हुँ। नौजवान ने देखा कि बीर बहादुर ने अपने साथ न कोई हथियार लिया और न ही बचाव के लिए दुसरी चीज। उसने अपने साथ एक लकडी का स्टुल लिया है। वह हैरान था कि स्टुल से बीर बहादुर खतरनाक शेर को कैसे काबू कर लेगा ! शेर जैसे ही बीर बहादुर की तरफ गरज कर लपकता है, वह स्टुल के पायों को शेर की तरफ कर देता। शेर स्टुल के पायों पर अपना ध्यान केन्द्रित करने की कोशिश करता और असहाय हो जाता । ध्यान बटने के कुछ देर बाद शेर बीर बहादुर का पालतु बन गया इसके बाद बीर बहादुर ने नौजवान से कहा, अक्सर ऐसा होता है कि एकाग्र व्यक्ति साधारण होने पर भी सफल हो जाता है लेकिन असाधारण व्यक्ति भी ध्यान बटने के कारण शेर की तरह पराजित हो जाता है। नौजवान ने तभी तय कर लिया वह जीवन मे हर काम एकाग्र होकर करेगा ।

आवश्यक सूचना

यह समाचार पत्र कैसा लगा इसके बारे में अपनी प्रतिक्रिया या सुझाव जरूर दें जिससे हम और बेहतर बना सकें।

फोनः 9414172596, 9413384884 ई-मेलः bkkomal@gmail.com

डॉ. सचीन परब के कोलकाता में विविध कार्यक्रम

राजयोग है नशामुक्ति की सर्वश्रेष्ठ औषधि

शिव आमंत्रण, कोलकाता। आज नशे से दुनियाभर में अनेक समस्याओं का इजाफा हुआ है चाहे वो शारीरिक व मानसिक हो या आर्थिक। ऐसे स्थिति में नशामुक्ति के लिए जागृति लाना महत्वपूर्ण कार्य है। इसको ध्यान में रखते हुए कोलकाता के बांगुर एवेन्यू सेवाकेंद्र द्वारा 2 दिवसीय डी एडिक्शन ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित मुंबई से संस्था के व्यसनमुक्ति अभियान के निदेशक डॉ. सचिन परब ने नशाजनित बिमारियों की अलग-अलग अवस्थाओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राजयोग के अभ्यास से जीवन व्यसनमुक्त बन सकता है। न्यू टाउन हॉल हाईट कॉम्पलेक्स के कम्यूनिटी हॉल में आयोजित

बांगुर एवेन्यु बीके परिवार के साथ डॉ. सचीन।

इस ट्रेनिंग कार्यक्रम का काफी संख्या में लोगों ने लाभ लिया और अंत में सभी ने स्कूल, कॉलेज एवं युवा संस्थाओं से इस सेवा का प्रारंभ करने की योजना बनाई।

से यस टू फ्रीडम

अगली कड़ी में बांगुर सेवाकेंद्र पर डी एडिक्शन पर से यस टू फ्रीडम नो टू टोबैको विषय पर अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसे डॉ. सचिन परब ने सम्बोधित किया। अंत में कुछ लोगों ने व्यसन छोड़ने की प्रतिज्ञा की और उनके उमंग को कायम रखने के लिए सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मधु ने उन्हें फीलिंग ग्रेट नामक पुस्तक प्रदान की। इस दौरान सेवाकेंद्र पर चिकित्सकों के लिए भी वर्ल्ड नो टोबैको डे के उपलक्ष्य में सीक्रेट ऑफ अल्टीमेट ट्रूथ विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एस. के. रॉय, डॉ. मलय भट्टाचार्य, आईएमए के पास्ट प्रेसिडेंट डॉ. आर. डी. दुबे, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मधु, बीके अस्मिता ने किया। ऐसे ही एक अन्य कार्यक्रम बांगुर सेवाकेंद्र और संघमित्रा क्लब दोनों के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया गया जिसमें आओ व्यसनों को छोड़े खुशियों को अपनाएं विषय पर चर्चा की। इस मौके पर दमदम नगरपालिका के चेयरमैन हरेंदर सिंह, काउंसलर रॉबिन धारिया, प्रख्यात क्रिकेट प्लेयर वृद्धिमान शाह, बीके मधु, बीके पदमा, बीके डॉ. सचिन परब समेत अनेक गणमान्य लोगों ने वातावरण और परिवार को सकारात्मक और व्यसनमुक्त बनाने की प्रेरणा दी।

तमिल यूनिवर्सिटी के साथ एम.ओ.यू.

शिव आमंत्रण, तंजावुर। भारत को विश्व गुरू बनाने की राह पर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शिक्षा प्रभाग ने एक और कदम आगे बढ़ाया है। संस्थान के शिक्षा प्रभाग द्वारा चलायें जा रहे मूल्य निष्ठ शिक्षा में डिप्लोमा व सर्टीफिकेट कोर्सेज को अब तमिलनाडु के तंजावुर स्थित तमिल यूनिवर्सिटी ने भी अपने पाठ्यक्रम में शामिल कर लिया है। तमिल यूनिवर्सिटी में कुलपति जी. भास्करन, रजिस्ट्रार मुथुकुमार, नोडल ऑफिसर बीके पद्मनाभन, ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके मृत्युंजय, दूरस्थ शिक्षा के निदेशक बीके पंडियामणी, स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी ज्ञानसुन्दरी की उपस्थिति में एम.ओ.यू. साईन हुआ। एम.ओ.यू के पश्चात जी. भास्करन व मुथुकुमार को बीके मृत्युंजय व बीके पंडियामणी ने सम्मानित

एमओयू एक्स्चेंज करते बीके मृत्युंजय व कुलपति जी. भास्करन

गिरती हुई समाज व्यवस्था को संभालती है आध्यात्मिकता

विधान परिषद के सभापति श्रीमंतराम राजे नाईक निंबालकर के विचार

शिव आमंत्रण ■ पुणे।

गिरती हुई समाज व्यवस्था को ब्रेक लगाने का कार्य आध्यात्मिकता करती है, इसलिए युवकों ने अध्यात्म को आत्मसात कर नई पीढी निर्माण करने के लिए प्रयास करना चाहिए। उक्त विचार महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति श्रीमंतराम राजे नाईक निंबाळकर ने व्यक्त किए। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के राजनीतिज्ञ सेवा प्रभाग द्वारा एक दिवसीय सम्मेलन और मेडिटेशन सत्र बालगंधर्व रंगमंदिर, पुणे में आयोजित किया था। इस

पुणे मे सम्मेलन व मेडिटेशन सत्र का दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करते

अवसर पर लक्ष्मण राव ढोबळे (पूर्वमंत्री), पिंपरी चिंचवड के महापौर नितिन काळजे, अशोक मोहोळ, शरद रणपिसे , रविंद्र माळवदकर, सम्राट थोरात, राजनिति प्रभाग के अध्यक्ष बीके बृजमोहन, मैसूर की बीके लक्ष्मी, मीरा सोसाइटी सेवाकेंद्र की संचालिका बीके सुनंदा, बीके नलिनी समेत पुणे और पिंपरी चिंचवड महानगर पालिका के नगरसेवक और ग्रामपंचायत सदस्य उपस्थित थे ।

श्रीमंत रामराजे नाईक निंबाळकर ने कहा, की जीवन में मिले हर दिन का इस्तेमाल अच्छे कामों में करना चाहिए । जीवन की कई समस्याओं को अध्यात्म से सुलझाया जा सकता है ।

राजनिति प्रभाग के अध्यक्ष बीके बृजमोहन ने कहा की समय अनुसार राजनीती में अध्यात्म की बहुत जरुरत है। जब राज्य सत्ता और अध्यात्म एक हो जायेंगे तब भारत में रामराज्य स्थापन होगा। भारत देश की महिमा अपरमपार है जिसको एक समय पे सोने की चिडिया कहा जाता था - जब वहाँ नैतिक मूल्यों का जतन किया जाता था। भारत पर बहोत आक्रमण हुये लेकिन भारत देश ने किसी लालसा में कभी अपमान नहीं किया

समस्या को समस्या मानना ही सबसे बड़ी समस्या : बीके सूरज

शिव आमंत्रण, भोपाल। भोपाल के विधान सभा में खुशनुमा जीवन जीने की कला विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक बीके सूरज ने कहा कि समस्या को समस्या मानना ही सबसे बड़ी समस्या है। कोई भी परिस्थिति अगर जीवन में आती है तो उसे अवसर के रूप में स्वीकार करना चाहिए। साथ ही बीके नीता ने राजयोग की विधि सिखाई। टीटी नगर सेवाकेंद्र द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विधानसभा के उपस्थित सभी अधिकारियों ने लाभ लिया। अंत में बीके सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया व सदस्यों ने भी ईश्वरीय सौगात भेंट की। ईदगाह हिल्स सेवाकेंद्र और गांधी मेडिकल कॉलेज के द्वारा भी अवेकनिंग द इनर पावर विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज, पीपल्स यूनिवर्सिटी, एम्स, चिरायू मेडिकल कॉलेज समेत अनेक कॉलेजेस के मेडिकल स्टुडेंटस ने भाग लिया।

बहादुरगढ़ में चला स्वच्छता अभियान

स्वच्छता अभियान में सहभागी ब्रह्माकुमारी सदस्य।

शिव आमंत्रण, बहादुरगढ़। मेरा भारत- स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत हरियाणा के बहादुरगढ़ में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान व क्लीन एंड ग्रीन एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसका शुभारंभ विधायक नरेश कौशिक ने किया। शहर के मुख्य गंदगी वाले स्थान को संस्था के 120 सदस्यों ने मिलकर स्वच्छ किया। इस सामाजिक कार्य को देखकर श्रीश्री जगन्नाथ सेवा संस्था के कार्यकर्ता भी सहयोगी बनें। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके अंजलि के मार्गदर्शन में जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया। बीके विनीता और बीके रेनू ने भी स्वच्छता अभियान मे सक्रिय सहभागिता की। इस दौरान स्थानीय लोगों ने अपने आस-पास स्वच्छता रखने की प्रतिज्ञा ली।

मानसिक स्थिरता से मिलता है हर समस्या का सहज समाधान

सिंगरौली में हेल्दी लाइफ स्टाइल पर कार्यक्रम व स्वच्छता अभियान

शिव आमंत्रण, सिंगरौली। जिसका तन एवं मन दोनों स्वस्थ हैं वह कई सारी समस्याओं से स्वत: ही मुक्त हो जाता है एवं अपने जीवन में अतिरिक्त उन्नति भी कर सकता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये मध्यप्रदेश के सिंगरौली में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा हेल्दी लाइफ स्टाइल फॉर हैप्पी एंड हेल्दी लिविंग विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ पूर्व जीएम ए. के. झा, आई स्पेशलिस्ट डॉ. गुप्ता, रिलाइंस साशन पावर प्लांट के जितेंद्र प्रसाद, एनटीपीसी ब्लड बैंक के डॉ. शर्मा, माउंट आबू से आए हृदय रोग विशेषज्ञ बीके डॉ. सतीश गुप्ता, भोपाल

हेल्दी लाइफ स्टाइल कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करते अतिथि।

जोन की निदेशिका बीके अवधेश, छतरपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा, स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शोभा एवं अन्य बीके सदस्यों ने दीप प्रज्ज्वलन से किया। इस अवसर पर बीके डॉ सतीश चंद्र गुप्ता ने स्वस्थ्य व सुखी जीवन के गुर सिखाए एवं राजयोग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की बात कही। सेवाकेंद्र द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत सभी बीके सदस्यों ने नगर में सफाई कर पर्यावरण को स्वच्छ रखने की प्रेरणा दी और रैली निकालकर परमात्म अवतरण का संदेश देते हुए तन के साथ-साथ मन को स्वच्छ रखने का आह्वान भी किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष चंद्रप्रताप विश्वकर्मा, महापौर प्रेमवती खाईवार, मध्यप्रदेश में जर्नलिस्ट यूनियन के उपाध्यक्ष प्रदीप तिवारी, भोपाल जोन की निदेशिका बीके अवधेश, छतरपुर सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके शैलजा एवं स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शोभा, भोपाल अरेरा कॉलोनी सेवाकेंद्र की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके रानी सहित अनेक बीके सदस्य शामिल थे।

भूमि सुधार मंत्री ने किया अवलोकन

मंत्री मदन मोहन झा का स्वागत करती बीके रानी।

शिव आमंत्रण, मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के नए भवन निर्माण के लिए ली गई ज़मीन पर हो रहे सेवा कार्यों का बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री मदन मोहन झा ने अवलोकन किया। इसके साथ ही वहाँ उपस्थित संस्थान के सदस्यों को उनके सेवा कार्यों के लिए प्रोत्साहित करते हुए उनकी सराहना की। आमगोला रोड स्थित सुख-शांति भवन में उनका स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने ब्रह्माकुमारीज के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान के सेवाकार्यों का विस्तार आज पुरे संसार में है। यह भारतीय आध्यात्मिक चेतना की पराकाष्ठा है। यहाँ सिखाया जानेवाला योग सर्वोत्तम है। इस अवसर पर मुजफ्फरपुर सबजोन प्रभारी बीके रानी, विधायक केदार प्रसाद गुप्ता समेत कई अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। अंत में बीके रानी ने राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री को शॉल ओढ़ाकर व ईश्वरीय सौगात भेंटकर सम्मानित किया।

जागरूकता | **मेडिटेशन से हो सकते हैं व्यसन मुक्त, मिल सकता है बीमारियों से छुटकारा**

ब्रह्माकुमारीज द्वारा जगह-जगह पर नशामुक्ति कार्यक्रम

शिव आमंत्रण, आबूरोड। नशामुक्ति दिवस पर संस्था के अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय स्थित आबू रोड समेत देश के कई हिस्सों में धूम्रपान तथा नशे से बचने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया। कहीं व्यसनमुक्ति पर चित्र प्रदर्शनी लगाई गई तो कहीं लघु नाटिका के ज़रिए लोगों को नशे से दूर रहने की सलाह दी। इसके तहत आबू रोड में नशा से बचने के लिए रैली एवं झांकी का आयोजन किया गया। जिसमें गेल इंडिया के प्रबन्धक मधूसूदन, रिको क्षेत्र के क्षेत्रिय मैनेजर वैष्णव, ग्लोबल हॉस्पिटल के चिकित्सा निदेशक डॉ. प्रताप मिडढा, संस्था के सूचना निदेशक बीके करुणा, शांतिवन के

नशा मुक्ति रैली में संदेशपरक झांकियां बनीं आकर्षण का केंद्र तथा तख्तियां हाथ में थाम कर रैली में नशामुक्ति का संदेश देतीं बीके भाई-बहनें।

मुख्य अभियन्ता बांक भरत समत कई लोगों ने हरी झंडी दिखाकर रवानगी कर दी।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम मे बोलते हुए मेडिकल विंग के कार्यकारी सचाव बांक बनारसा ने कहा, व्यसनों से लोगों का स्वास्थ्य खराब हो रहा है, लोग अस्थमा, टीबी, कॅन्सर, हार्ट की बीमारी आदी के शिकार हो रहे है। मेडिटेशन से 65 प्रतिशत लोगों ने व्यसन छाड दिया हैं। अपना गाव व्यसनमुक्त बनायेंगे तो सरकारी लिष्ट मे आ जायेगा।

संस्था के सूचना निदेशक बीके करूणा ने कहा, जो चीज भगवान को चढा नही सकते वह सवन कर रहे हैं तो भगवान आप को कैसे स्वीकार करेगा? गांवों मे जाकर सबको व्यसनों से मुक्त करने का संकल्प संस्था के मेडिकल विंग ने लिया है।

रिको क्षेत्र के क्षेत्रिय मैनेजर वैष्णव ने सवाल किया कि पेट्रोल पर चलनेवाली गाडी मे आप पानी या डिझेल डाल देंगे तो गाडी का क्या हाल होगा? व्यसन करने से शरीर की हालत भी ऐसी ही होगी।

व्यसन छोड़ो, दीर्घायु बनो

ग्लोबल हॉस्पिटल के चिकित्सा निदेशक डॉ. प्रताप मिड्ढा ने कहा, लंबी और स्वस्थ आयु जीना है तो व्यसनों को छोडना पडेगा। सांतपुर गांव व्यसनमुक्त बने यह संकल्प आप सब मिलकर लेंगे तो व्यसन गाव के अंदर प्रवेश भी नही कर सकेगा। आबू रोड के शांतपुर में जागृति के बाद यह रैली संगम भवन पर समाप्त हो गयी।

राष्ट्रीय समाचार

नरकटियागंज में हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम

शिव आमंत्रण, नरकटियागंज। पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा विश्वभर में वृक्षारोपण के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी कड़ी में बिहार के नरकटियागंज में भी पर्यावरण रक्षा हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर शहर के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान सेवाकेन्द्र संचालिका बीके अबीता ने पर्यावरण सन्तुलन के बारे में सभी को जागरूक करते हुए कहा कि वर्तमान में पर्यावरण सन्तुलन का बिगड़ना मानव जीवन के लिए खतरे की घंटी है। अगर इसे नहीं सुना गया तो भविष्य में इसके परिणाम बहुत ही घातक होंगे। अतः हमें इसके बारे में अभी सचेत होकर अपने पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्वों को पूरा करना चाहिए।

काली मंदिर का शिलान्यास

शिव मंदिर, पटना। पटना के बरह में माँ काली मंदिर का शिलान्यास समारोह पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा एक शाम शिव शक्ति यों के नाम विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बीजेपी विधायक विजय कुमार सिन्हा, संस्थान के बरह सेवाकेन्द्र की संचालिका बीके ज्योति, बीके माला, शिक्षक रमाकान्त सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन से किया । इस दौरान कार्यक्रम की मुख्य वक्ता बीके ज्योति ने दैवी तत्वों से जुड़े रहस्यों को उजागर करते हुए कहा कि वह मनुष्य देव तुल्य है जो अपने मन-वचन-कर्म को दूसरों के हित अर्थ उपयोग करे। जो दूसरों की भलाई करता है उसका जीवन अपने आप समर्थ बनता जाता है।

नव निर्वाचित नगर प्रमुख का सम्मान

शिव आमंत्रण, नेपाल। नेपाल के तरहू जिला की व्यास नगरपालिका के नवनिर्वाचित नगरप्रमुख वैकुण्ठ न्यौपाने को संस्थान के तरहू सेवाकेन्द्र पर सेवाकेन्द्र संचालिका बीके प्रणीता ने सम्मानित किया। इस दौरान बीके प्रणीता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में स्वशासन से सुप्रशासन व्यवस्था बनाने की ज्यादा जरूरत है। हमें अपने विचारों को सकारात्मक बनाकर उन्हें समाज कल्याण में लगाना चाहिए और यही आदत हमें समाजोपयोगी बनाती जाती है।

प्रतिस्पर्धा ने बनाया बच्चों को मूल्यहीन

शिव आमंत्रण, वर्धा। महाराष्ट्र के वर्धा में सात दिवसीय बाल व्यक्तित्व विकास एवं संस्कार शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें सुशील हिम्मत सिंगका कॉलेज की प्राचार्या अपर्णा देवढ़े ने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुये कहा कि आज हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा दिखाई देती है। जिसके कारण बच्चे मूल्यहीन होते जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि बढ़ता पाठ्यक्रम एवं परीक्षा केंद्रित शिक्षाप्रणाली बच्चों के जीवन में तनाव का मुख्य कारण है। अतः ऐसे समय में इस संस्कार शिविर की आवश्यकता हर एक बच्चे को है । राजेंद्र प्राइमरी स्कूल के मुख्याध्यापक नागभासे सर, डॉ. शालिनी मुंढे, सिंदी रेल्वे सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके मधु, बीके ज्योति ने भी बच्चों को संस्कारवान बनाने के लिए अपने विचार व्यक्त किये । इस अवसर पर बच्चों को चित्रकला एवं गीत के साथ- साथ सहनशीलता एवं मधुरता जैसे नैतिक मूल्यों की शिक्षा भी दी गई तथा उपस्थित अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित किया गया।

सिमराही बाजार में स्नेह मिलन कार्यक्रम

शिव आमंत्रण, सिमराही बाजार। सुपौल के सिमराही बाजार में विभिन्न अधिकारियों के लिए स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बीडीओ मनोज कुमार, सीआई जगदेव सिंह, सेन्ट्रल बैंक मैनेजर सचिन कुमार, सतीश कुमार, वरिष्ठ व्यवसायी रघुबीर भगत, संस्थान के मुख्यालय मांउण्ट आबू से बीके भूवन देव, बीके बबीता, बीके नीतू, डॉ. संजय सिंह, डॉ. रविन्द्र कुमार, कृष्ण कूमार रॉय, पत्रकार अरूण जैयसवाल, सतीश कुमार सुधान्सू, पूर्व चैयरमैन विनय वर्धन मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान सेवाकेन्द्र संचालिका बीके रंजु ने अपने सम्बोधन में स्पष्ट किया कि आध्यात्मिकता की समावेश हर क्षेत्र में जरूरी है। आध्यात्मिकता के समावेश से हर परिस्थिति का सहज समाधान हो सकता है। अन्त में सभी को ईश्वरीय सौगात भी भेंट की गई।

वाह ज़िन्दगी वाह कार्यक्रम का आयोजन

शिव आमंत्रण, सिरसा । हरियाणा, सिरसा के कंगनपुर में आध्यात्मिक सशक्ति करण से वाह ज़िंदगी वाह विषय पर कार्य म आयोजित किया गया, जिसका शुभारम्भ विश्व वाहिनी हिंदु महासंघ की राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष पारूल ढाका एवं वासुदेव ढाका, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके बिंदु, बीके ओम प्रकाश, तथा अन्य अतिथियों ने किया। कार्यक्रम में बीके बिंदु ने कहा कि हमें जिंदगी को वाह-वाह बनाने के लिए हरेक में गुण देखना आवश्यक है। इस दौरान सभी को राजयोग का अभ्यास कराकर गहन शान्ति की अनुभूति कराई गई। जिसका लाभ नगर के प्रबुद्ध एवं गणमान्य नागरिकों सहित कई लोगों ने लिया। कार्यक्रम के शुभारम्भ समारोह में विश्व वाहिनी हिन्दु महा संघ की राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष बहन पारूल ढाका और श्री वासुदेव ढाका जी विशेष तौर पर उपस्थित हुए और इस आयोजन के प्रति अपनी शुभ कामनाएं व्यक्त की। राजयोगिनी बी के बिन्दू बहन ने इस मौके अपने आशीवर्चन उदबोधन में सभी भाई-बहनों से जीवन में ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक होने का आग्रह किया और कहा कि वर्तमान समय हर परिस्थिति के प्रति हमारी पॉज़िटिव सोच ही सर्व समस्याओं का समाधान है

नशामुक्ति के लिए निकाली रैली

शिव आमंत्रण, गोरखपुर। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शाहपुर केंद्र द्वारा रैली निकालकर लोगों को नशे के प्रति सावधान करते हुए इसके दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। शोभायात्रा को शाहपुर इंस्पेक्टर गोविंद वल्लभ शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली शाहपुर सेवाकेंद्र अनुभूति भवन से शुरू होकर गीता वाटिका, असुरन चौक खरैया पोखरा व मेडिकल कालेज रोड होते हुए पुनः अनुभूति भवन पर समाप्त हुई। शाहपुर सेवाकेन्द्र संचालिका बीके पारूल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में संस्था के सदस्यो ने लोगों से नशा छोड़ने की अपील की तथा नशा मुक्ति फॉर्म भी भरवाया। इस अवसर पर मांडवी, अनीता, माधुरी, अभिषेक, तेज प्रसाद, रामू, अशोक व कृष्णमोहन आदि मुख्य रुप से उपस्थित थे।

सीखी जीने की कला

मधुबन में समर कैम्प से देशभर से 4 हजार बच्चे हुए शामिल , साथ ले गए मुस्कुराहट व यादें

बच्चे ही हैं हमारे आने वाले कल की तकदीर

समर कैम्प में शारीरिक व्यायाम का प्रदर्शन करते बच्चे तथा कॉन्फ्रेंस हॉल में मंच पर प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सराहते बच्चे।

शिव आमंत्रण, आबूरोड। कहते है बच्चे ही आने वाले कल की तकदीर है। यदि बच्चों का जीवन संवर जाये तो देश का भविष्य संवर जायेगा। इसी उद्देश्य को लेकर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शिक्षा प्रभाग द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के शांतिवन में अडतीसवें बाल व्यक्तिव विकास शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पूरे भारत से चार हजार बच्चें भाग लेने पहुंचें। इन बच्चों के जीवन में मूल्यों की समावेशता तथा संस्कारों के सींचन के लिए प्रात: काल से रात्रि तक दिनचर्या बनाकर उन्हें सदकर्मों के लिए प्रेरित किया गया। शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष बीके निर्वेर ने इस अवसर पर रेडिओ मधुबन का सुनते रहो, मुस्कुराते रहो स्लोगन याद दिलाया और अच्छी बातों को सदा सुनते रहने का, मुस्कुराते रहने का संदेश बच्चों को दिया। उन्होंने कहा, ईश्वरीय ज्ञान सुनकर धारण करते रहेंगे और योग करते रहेगे। तो कोमलता, मधुरता जैसे गुण बढ़ते जायेंगे।

सूचना निदेशक बीके करुणा तथा शांतिवन के मुख्य अभियन्ता बीके भरत ने कहा, पढ़ाई के साथ आपको ईश्वरीय पढ़ाई पढ़ने को मिल रही है इसलिए आप डबल भाग्यवान हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बता रहे है उस योग से शारिरीक स्वास्थ्य मिलेगा और इस योग से मानसिक शक्ति प्राप्त होगी। कार्यक्रम का उद्घाटन शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष बीके निर्वेर, सूचना निदेशक बीके करुणा, मुख्यालय संयोजक बीके शीलू, राष्ट्रीय संयोजक बीके हरीश शुक्ला, शांतिवन के मुख्य अभियंता बीके भरत तथा कई लोगों ने दीप प्रज्ज्वलन से किया।

ट्रैफिक रूल्स में है हमारी सुरक्षा

शिव आमंत्रण, बोरीवली। सड़क दुर्घटनाओं को गम्भीरता से लेते हुए सरकार ने विभिन्न प्रकार के सड़क यातायात और सड़क सुरक्षा नियम बनायें हैं। हमें उन सभी नियमों और नियंत्रकों का पालन करना चाहिए। लोगों में इसी जागरूकता को फैलाने की मंसा से मुंबई में बोरीवली स्थित ब्रह्माकुमारीज़ के सेवाकेंद्र प्रभु उपवन भवन में संगोष्ठी आयोजित की गई। संस्थान के यात्रा और परिवहन प्रभाग के अंतर्गत आयोजित इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रसिद्ध टीवी कलाकार ऐश्वर्या सखुजा ने शिरकत की और अपने विचार व्यक्त किए। विधायक प्रकाश सुर्वे ने सड़क सुरक्षा के लिए सब जरूरी मदद देने का आश्वासन दिया। प्रसिद्ध टीवी कलाकार ऐश्वर्या सखुजा ने कहां, ट्राफिक सेफ्टी रूल्स और किसी के लिए नही बल्कि खुद की सेफ्टी के लिए जरूरी है। संगोष्ठी में प्रभाग की उपाध्यक्षा बीके दिव्यप्रभा ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के पीछे बहुत से कारण होते हैं, साथ ही प्रभाग की कार्यकारी सदस्या बीके कविता ने संस्थान द्वारा जागरूकता के लिए आयोजित इस प्रकार के कार्यक्रमों के विज़न से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान ड्रामा प्रस्तुति के द्वारा लोगों को समझाने का प्रयास किया गया कि..... रोड पर चलते समय अगर हम सावधानियां बरतें तो हम दुर्घटनाओं को टाल सकते हैं। अंत में बीके दिव्यप्रभा ने अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंट की। इसी क्रम में बृहन मुंबई विद्युत आपूर्ति और परिवहन निगम के कर्मचारियों व अधिकारियों के लिए तनाव प्रबंधन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 6 वरिष्ठ अधिकारियों व 54 कर्मचारियों ने भाग लिया। इस दौरान बीके जिग्ना ने अध्यात्मिकता द्वारा तनाव मुक्त बनने की सलाह दी।

प्रेरणा

बैडमिंटन के कोच पद्मश्री एस. एम. आरिफ के विचार

हर एक को ईश्वरीय ज्ञान मिलना जरूरी

शिव आमंत्रण ■ हैदराबाद

गेट टूगेदरकार्यक्रम में बोलते बेडमिंटन कोच पद्मश्री एस.एम आरिफ।

ब्रह्माकुमारीज़ के स्पोर्टस् विंग द्वारा सांप्रत क्रीडा जगत् में खिलाड़ियों को ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा दिया जा रहा मार्गदर्शन अति आवश्यक है। यह ज्ञान क्रीडा जगत की प्यास बुझायेगा। योगसाधना में जबरदस्त ताकत है। किसी भी क्षेत्र का व्यक्ति जीवन में इससे अग्रसर हो सकता है। यह ज्ञान हर एक को मिलना जरूरी है। उक्त विचार भारतीय बैडमिंटन के कोच पद्मश्री एस. एम. आरिफ ने व्यक्त किये। ज्ञानसरोवर एकेडमी में स्पोर्टस विंग द्वारा आयोजित कान्फ्रेंस में पार्टीसिपेट करने गये स्पोर्टस पर्सन के लिए हैदराबाद के शांति सरोवर में डिवाइन गैट-टूगेदर का आयोजन किया गया, जिसमे २० लोगो ने कान्फ्रेंस के दौरान अपने अविस्मरणीय अनुभव सभी के साथ साझा किए। श्री. आरिफ ने इस वक्त माउण्ट आबू के कई अनुभव शेयर किए और कहा कि, योग से कई बातें आत्मा मे गहराई तक जाती है और आत्मा डिवाईन बन जाती है। मै ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के बारे में इसलिए खुश हूँ क्योंकि यहाँ हरेक की व्यक्तिगत समस्या सुलझाई जाती है। स्पोर्टस विंग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके कुलदीप ने भी अपनी शुभकामना व्यक्त की।

गैट-टूगेदर के शुभारंभ में बीके वम्सी ने पॉवर पॉईन्ट प्रेजेन्टेशन के द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा की जा रही सेवाओं से उपस्थितों को अवगत कराया।

यौगिक उत्पादों से फूड फेस्टिवल

केंद्रिय कृषि ग्रामीण विकास राज्यमंत्री पुरुषोत्तम भाई रुपाला ने सराहा

फूड फेस्टिवल कार्यक्रम में कृषि ग्रामीण विकास राज्यमंत्री पुरुषोत्तम भाई रुपाला व अतिथि शाश्वत यौगिक खेती से बनाये व्यंजनों का लुत्फ लेते हुए।

शिव आमंत्रण, गांधीनगर। भारत के प्रधानमंत्री ने जब से जैविक खेती के प्रति इच्छा दिखायी है तब से देश के कई हिस्सों में जैविक खेती का प्रचलन बढ़ रहा है। परन्तु जैविक खेती के साथ यदि यौगिक खेती को भी शामिल कर लिया जाये तो निश्चित तौर पर यह मानव स्वास्थ्य के लिए बेहतर होगा। ऐसा ही प्रयास ब्रह्माकुमारीज संस्थान का ग्राम विकास प्रभाग पिछले कई वर्षों से लगातार कर रहा है। इसके तहत गुजरात, गांधीनगर के शाहपुर में जैविक और यौगिक खेती विषय पर कार्यक्रम का आयोजन तो किया ही गया साथ ही शाश्वत यौगिक खेती से उत्पन्न हुए अनाज से फूड फेस्टिवल का भी आयोजन किया गया। जिसमें करीब 36 प्रकार के व्यंजन बनाये गये। यह अपने आप में एक अनोखा था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन करने भारत सरकार के पंचायती राज एवं कृषि ग्रामीण विकास राज्यमंत्री पुरुषोत्तम भाई रुपाला, ब्रह्माकुमारीज संस्थान के सूचना निदेशक बीके करुणा, ग्राम विकास प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके सरला, मुख्यालय संयोजक बीके राजू, महादेवनगर की प्रभारी बीके चन्द्रिका के कर कमलों से किया गया। पुरुषोत्तम रुपाला ने शाश्वत यौगिक खेती की तारीफ की और ब्रह्माकुमारीज संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान देश के सभी वर्गों में मूल्यनिष्ठता और विकास के लिए बेहतरीन कार्य कर रही है। इसके साथ ही व्यंजनों का भी भरपूर आनंद लिया।

रिट्रीट में युवाओं ने दिखाया उत्साह

शिव आमंत्रण, चेन्नई। चेन्नई स्थित हैप्पी विलेज रिट्रिट सेंटर में युवाओं के लिए तीन दिवसीय रिट्रिट का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे तमिलनाडू स्टेट से 150 युवाओं ने उमंग उत्साह से भाग लिया। रिट्रिट के दौरान युवाओं को साइलेंस व स्प्रीचुअल विजडम को समझने के लिए सोल स्पा, गुडनेस कैफे तथा टनल ऑफ ब्लेसिंग्स जैसी कई क्रिएटिव कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की कॉर्डिनेटर बीके रंजानी ने बच्चों से मूल्य आधारित गतिविधियां भी कराई।

प्रकाश और पवित्रता का स्थान,सेंट पीटर्सबर्ग का लाइट हाऊस

27 वे वर्धापन दिन में मान्यवरों ने दिये विचार

शिव आमंत्रण, पीटर्सबर्ग। ब्रह्माकुमारीज का सेवाकेंद्र लाइट हाऊस प्रकाश और पवित्रता का स्थान है। दुनिया में विकारों की अति का समय होते हुए भी मानवता के लिए आध्यात्मिक मूल्यों का नूतनीकरण और नैतिक उन्नति के लिए पिछले पाच दशक से यह लाइट हाउस ने जो पर्यावरणीय, सामाजिक और शिक्षात्मक कार्यक्रम जारी किए है उससे यहाँ के लोग खुश हैं। उपरोल्लेखित संदेश सेंट पीटर्सबर्ग के बुद्ध मंदिर के धर्मगुरू सयान लामा ने कहा।

इसके लिए धर्मगुरू ने दादी जानकी को लिखे सराहना पत्र मे कहा है, कि आप की नि:स्वार्थ सेवा और बुद्धिमत्ता ने संस्था की सदस्य संख्या लाखो में ले जाने के लिए मदद की है। इसके लिए आप हमारे खास सम्मान के पात्र हैं और हमारे लिए वंदनीय भी है।

सेंट पीटर्सबर्ग ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र लाइट हाउस की सालागिरह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर गुजरात जोन की निदेशिका बीके सरला, मेडिकल विंग के कार्यकारी सदस्य डॉ. मुकेश पटेल, दास्तान गुंजेचोइनोई के बौद्ध मंदिर के सयान लामा, रशियन फिलॉसॉफिकल सोसायटी के विदेश व्यवहार विभाग के उपाध्यक्ष अरिझ गेजालोव उपस्थित थे।

रशियन युनियन आफ कल्चर प्रोफेशनल्स के अध्यक्ष अनातोली कोन्स्तॅतिनोव ने कहा, 1937 मे भारत में जन्म लिये इस पौधे ने अखिल विश्व पर राज्य करनेवाले विश्व विद्यालय का रूप लिया है। भलाई और प्रेमभाव से भरे इस अजिब केंद्र से बहुत कुछ सीख सकते है।

सेंट पीटर्सबर्ग होमियोपैथी एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. स्वेतलाना पेसोनिया, नेवस्की एंजेल चैरिटीफाउण्डेशन के अध्यक्ष व्लादिमिर ल्युकानोव, एकोलाजिकल यूनियन आफ सेंट पीटर्सबर्ग के अध्यक्ष सेमॉन गोर्डीशेवकी, रशियन फिलासाफिकल सोसायटी के उपाध्यक्ष अरीझ गेजालोव, रशियन नॉर्थ वेस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. व्लादिमिर गोलोवकिन ने भी इस अवसर पर विचार व्यक्त किये। रशिया के जानेमाने गायक मिखाईल गावरीलोव और सर्जेरी बोगोल्युबस्कि ने सुंदर गीतों की प्रस्तुति दी और युथ डान्स ग्रुप इस्पिरेशन ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी।

डान्स ग्रुप के साथ सम्माननीय अतिथि एवं ब्रह्माकुमारीज़ बहनें।

शिव आमंत्रण, नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में व्यसनमुक्ति अभियान व्यापक रीती से चलाया गया। संस्था के मेडिकल विंग द्वारा आयोजित इस अभियान द्वारा लगभग 16 गांव में रैली निकालकर लोगों को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी। ब्रह्माकुमारीज के निमार्णाधीन रिट्रीट सेंटर जामठा के विश्व शांति सरोवर में मुख कर्करोग एवं पूर्व कर्करोग निदान शिविर का आयोजन भी किया गया था। इस अवसर पर शासकीय दंत चिकित्सक डॉ. सुशांत पाटील, डॉ. प्रकाश बंडीवार, नागपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रजनी ने कहा कि व्यसन रूपी दलदल में समाज का अधिकांश हिस्सा किसी न किसी कारण से फसता चला जा रहा है। जिसे बाहर लाना भी हमारा ही कर्त्तव्य है।

मेडिकल विंग ने 16 गांवों में दिया तम्बाकू निषेध का संदेश

पर्यावरण महोत्सव

प्रकृति माता के तुल्य, नहीं करें इसका दोहन

खाली जगह मिले, वहां पेड़ लगाएं : महेश गागड़ा

शिव आमंत्रण ■ रायपुर

पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते वनमंत्री महेश गागड़ा।

वर्तमान समय प्रदूषण इतना विकराल रूप ले चुका है कि इससे निपटने के लिए हमें व्यक्तिगत स्तर से काम करने की जरूरत है। जब तक हरेक व्यक्ति इसे अपनी जिम्मेवारी नही समझेगा तब तक इस समस्या का समाधान नहीं हो सकता। उक्त विचार व्यक्त किये छत्तीसगढ़ के वनमंत्री महेश गागड़ा ने। वे ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के रायपुर सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजित पर्यावरण महोत्सव कार्यक्रम में सभा को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि विकास की दौड़ में हम अपने मूल स्वभाव को छोड़कर आगे बढ़ रहे है जो कि दीर्घकालीक नहीं है। हमारा विकास पर्यावरण के साथ ही सम्भव है। इसे मानवमात्र को समझाने के लिए जो संस्थान ने प्रयास किया है वह काफी सराहनीय है। ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति मानसिंह परमार ने कहा कि हमारे देश में प्रकृति को माँ का दर्जा दिया जाता है। लेकिन इस माँ का भी इतना अधिक दोहन हो रहा है कि इसमें पहले जैसा सामर्थ्य नहीं रहा है। ऐसे समय पर जन जागृति का ये कार्य काफी प्रेरणास्पद है।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की क्षेत्रीय निदेशिका बीके कमला ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण वैश्विक समस्या है। अत: इस पर गम्भीरता से विचार करने की जरूरत है।

अंतर्राष्ट्रीय /राष्ट्रीय समाचार

हांगकांग मे नया सेवाकेंद्र समाज सेवा को समर्पित

शिव आमंत्रण, हांगकांग। हांगकांग में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के नए उपसेवाकेन्द्र के उद्घाटन अवसर पर माउण्ट आबू के ज्ञान मानसरोवर एकेडमी की निदेशिका बीके निर्मला मुख्य रूप से उपस्थित रही। विदेश में कई स्थानों में संस्थान के द्वारा ईश्वरीय सेवाएं लगातार जारी है, और इनके विस्तार के लिए अब हांगकांग में ब्रह्माकुमारीज़ के काउलून सेवाकेन्द्र द्वारा तंग चंग में नए सेवाकेन्द्र का निर्माण किया गया है, ताकि स्थानीय लोग भी आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग मेडिटेशन का लाभ लें सकें। इस अवसर पर रिबन काटकर तथा शिवध्वजारोहण कर नए भवन का शुभारम्भ किया गया। इसके बाद बीके निर्मला ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए परमात्मा शिव की याद में रह प्रत्येक कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान बीके बिंदु समेत शहर के गणमान्य व संस्था सदस्य मौजूद थे।

मस्कट में हुआ साइलेंट मेडिटेटिव वॉक

शिव आमंत्रण, मस्कट। ओमान की राजधानी मस्कत में ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोगा सेन्टर फॉर सेल्फ डेवलपमेंट एवं एम्बेसी ऑफ इंडिया, मस्कत द्वारा वॉक फॉर वेलनेस विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। तीसरे संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम कुरुम पार्क में किया गया, जहाँ ओमान में भारतीय राजदूत इंद्र मणि पांडे ने सहभागिता कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मस्कत फार्मेसी से बकुल मेहता तथा हयात क्लीनिक से कॉर्डियोलोजिस्ट डॉ. रमन भी इसका हिस्सा बने। मस्कत के राजयोगा सेन्टर फॉर सेल्फ डेवलपमेंट और एम्बेसी ऑफ इंडिया ने वॉक फॉर वेलनेस के ज़रिए मेडिटेशन एक्सपीरियंस तथा गुड हेल्थ के लिए प्रतिभागियों को कई टिप्स दिए। यह साइलेंट मेडिटेटिव वॉक थी, जिसमें माउण्ट आबू से आए बीके शांत कृष्णा ने योगा फॉर फिज़िकल हैल्थ, मेंटल, सोशल, एनवायरमेंटल एण्ड स्प्रिचुअल आदि 5 प्रकार के मेडिटेशन के बारे में बताया। इस वॉक का शुभारम्भ मस्कत में राजयोगा सेन्टर फॉर सेल्फ डेवलपमेंट की डायरेक्टर बीके गायत्री ने किया। सफेद पोशाक पहने लोगों की भीड़ कुरम पार्क से होते हुए कई स्थानों से गुज़री। कार्यक्रम के अंत में बीके शांता कृष्णा ने सभी प्रतिभागियों को राजयोगा मेडिटेशन का अभ्यास कराया। जिससे उपस्थित लोगों का शारीरिक एवं मानसिक विकास हुआ।

पनामा में लोगों ने लिया राजयोग का लाभ

शिव आमंत्रण, पनामा। पनामा सेवाकेंद्र पर संस्थान से जुड़े सदस्यों के लिए आयोजित एक वर्कशॉप में बीके वेदांती ने राजयोग के अभ्यास द्वारा स्वयं को तथा वातावरण को परिवर्तित करने की बात कही। इसके बाद बीके बहनों ने पनामा के भारतीय मंदिर में उपस्थित 70 लोगों को अपने अनुभवों से लाभान्वित किया। चाइल्ड फाउण्डेशन में ल्यूकोमिया और केंसर से पीड़ित लोगों तथा 130 स्वयं सेवकों से भी बीके वेदांती तथा बीके दिप्सी ने मुलाकात की और उनके साथ आध्यात्मिक ज्ञान चर्चा की।

हेल्थकेयर पर रखे ध्यान

शिव आमंत्रण, लंदन। लंदन के ग्लोबल कॉपरेशन हाउस में जानकी फाउण्डेशन फार स्प्रिच्युएलिटी इन हैल्थ केयर और ब्रह्माकुमारीज़- वर्ल्ड स्प्रिच्युअल यूनिवर्सिटी यूके द्वारा द हार्ट ऑफ वेल बिंग विषय पर एक टॉक शो आयोजित की गई। जिसमें माउण्ट आबू के ग्लोबल हॉस्पिटल एण्ड रीसर्च सेन्टर के मेडिकल डायरेक्टर बीके डॉ. प्रताप मिढ़ा तथा डायटिश्यन एण्ड फिटनेस एडवायज़र बीके डॉ. सुजाता राठी ने शिरकत की। द हार्ट ऑफ वेल बिंग थीम के अन्तर्गत लंदन में हॉस्पिटल विद् अ बिग हॉर्ट विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें लंदन की डॉ. जुलिया ऐडम्स ने डॉ. प्रताप तथा डॉ. सुजाता से बात-चीत की। हॉस्पिटल के बारे मे उपस्थित डॉक्टरों ने उनसे सवाल पूछे। विशेषत: बायपास के बिना हार्ट के ब्लॉकेजीस मेडिटेशन के द्वारा कैसे निकाले जाते है इसके बारे सबके मन मे जिज्ञासा थी। राजयोग से और शाकाहार से कैसे यह ब्लॉकेजीस निकाले जाते है यह उन्होने विस्तार से सबको बताया। उन्होने कहां, ग्लोबल हॉस्पिटल का मिशन स्वास्थ्य के क्षेत्र में पूरी तरह से विश्व स्तर पर पिछले 25 वर्षों से आम जनता की अथक सेवा कर रहा है।

200 से अधिक पुलिस जवान राजयोग से लाभान्वित

शिव आमंत्रण, भोपाल। भोपाल के टी. टी.नगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नीता के निर्देशन में 23 बटालियन पुलिस परिसर में तनाव प्रबंधन विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 200 से अधिक पुलिस जवान हिस्सा लेकर लाभान्वित हुए। इस अवसर पर राजयोग शिक्षिका बीके साक्षी, बीके सोनम और डॉ. ध्रुव ने तनाव के कारणों के साथ उसके निवारण पर भी प्रकाश डाला व राजयोग सीखाया।

नेपाल में युवाओं ने लिया व्यसन छोड़ने का संकल्प

शिव आमंत्रण, काठमांडु। नेपाल के काठमांडु में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में नेपाल अर्बुद रोग निवारण संस्था ने एक विशेष जनचेतना रैली का आयोजन किया जिसका शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री गगन थापा ने रिबन काटकर किया। इस रैली में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के सदस्यों समेत कई स्कूल व कॉलेज के बच्चों ने उमंग-उत्साह से सहभागिता की। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री गगन थापा ने कहा कि इस कार्य को पूर्ण रूप देने के लिए नेपाल सरकार कार्य कर रही है। साथ ही ब्रह्माकुमारीज़ से बीके कुसुम ने कहा कि आज कई लोग तनाव व फैशन के कारण व्यसन करते हैं जिसे राजयोग के माध्यम से ही खत्म किया जा सकता है। इस दौरान उपस्थित युवाओं से भी व्यसन छोड़ने का संकल्प कराया।

सूचना

सामाजिक सेवाओं तथा आन्तरिक सशक्तिकरण के प्रयास के साथ निकाला गया मासिक शिव आमंत्रण समाचार पत्र एक सम्पूर्ण अखबार है। जिससे आप सभी पाठकों का लगातार सहयोग मिल रहा है। यही हमारी ताकत है।

वार्षिक मूल्य	:	90 रूपये
तीन वर्ष	:	260 रूपये
आजीवन	:	2200 रूपये

पत्र व्यवहार का पता

संपादक: ब्र.कु. कोमल, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिस, शांतिवन-307510
आबू रोड- 307510, जिला-सिरोही, राजस्थान
मो.8769830661, 9413384884
Email: shivamantran@bkivv.org,
bkkomal@gmail.com

प्रकाशक एवं मुद्रक: ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डीबी सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित। Posted at Shantivan P.O. Dt. 18 to 20 of Each Month
सलाहकार संपादक: प्रो. कमल दीक्षित **संपादक:** ब्र.कु. कोमल, **संयुक्त संपादक:** ब्र.कु. पुष्पेन्द्र। **आरएनआई नंबर: आरजेएचआईएन/ 2013/53539**

पत्र व्यवहार का पता